लखनऊ

शनिवार, 6 सितम्बर, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 57
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

काँटों पर चलकर फूल खिलते हैं, विश्वास पर चलकर भगवान मिलते हैं

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

अजरबैजान को क्यों नहीं मिली SCO की सदस्यता, भारत ने बताई असलियत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने आज अजरबैजान के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उसने दावा किया था कि भारत ने पाकिस्तान से दोस्ती के चलते उसे एससीओ का पूर्णकालिक सदस्य नहीं बनने दे रहा है और उससे बदला ले रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से अज़रबैजान के उस दावे के बारे में भी पूछा गया जिसमें उसने कहा था कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में उसकी पूर्ण सदस्यता को अवरुद्ध कर दिया है। उन्होंने जवाब दिया कि एससीओ का विस्तार एक सतत प्रक्रिया है, और साथ ही यह भी बताया कि आर्मेनिया और अज़रबैजान दोनों ने इसी साल अपनी सदस्यता के लिए आवेदन जमा किए थे। उन्होंने कहा समय की कमी के कारण, तियानजिन में सदस्य देशों द्वारा इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। यह मामला समूह द्वारा अभी भी विचाराधीन है। अज़रबैजान ने दावा किया है कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में बाकू की पूर्ण सदस्यता के प्रयास को अवरुद्ध कर दिया है। अज़रबैजान ने यह भी आरोप लगाया है कि भारत, पाकिस्तान के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों के कारण, वैश्विक मंचों पर अज़रबैजान से बदला लेना चाहता है। अज़रबैजानी मीडिया ने भारत पर अज़रबैजान की महत्वाकांक्षा को अवरुद्ध करके बहुपक्षीय कूटनीतिके सिद्धांतों का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया है और दावा किया है कि नई दिल्ली का निर्णय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के लिए बाकू के समर्थन से जुड़ा था।

7 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे महिला रोजगार योजना की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। सूबे में महिलाओं को उद्यमी के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने इसका शुभारम्भ किया है। कैबिनेट से इसकी मंजूरी मिलने के बाद अब 7 सितम्बर को मुख्यमंत्री इससे संबंधित दस्तावेज (निर्देशिका) जारी करेंगे। इसके साथ ही इस योजना से लाभ लेने की शुरुआत हो जाएगी। इस योजना के क्रियान्वयन का नोडल ग्रामीण विकास विभाग को बनाया गया है। इससे संबंधित जानकारी देते हुए विभागीय मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि यह न सिर्फ महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे बिहार की अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक नए युग की शुरुआत है। इस योजना का उद्देश्य स्पष्ट है, राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को अपनी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना। जब परिवार की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तभी पूरे समाज की प्रगति होगी। इस योजना को सराहते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 10 हजार रुपया की टीटी पहली किस्त में इसी माह (सितम्बर) में 11 परिवार के एक महिला को उनके खाते में भेजी जायेगी। यही नहीं रोजगार शुरू करने के बाद 2 लाख रुपये और मिलेगा । आज यह कहना गर्व की बात है कि बिहार महिला सशक्तिकरण का उदाहरण पूरे देश में प्रस्तुत कर रहा है।

यूपी में अब शिक्षकों को मिलेगा कैशलेस इलाज, टीचर्स डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गिफ्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। टीचर्स डे के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों शिक्षकों को बड़ी सौगात दी। राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के सभी शिक्षक अब कैशलेस इलाज सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा न सिर्फ प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए होगी, बल्कि शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों तक को कवर करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा कि इस फैसले से लगभग नौ लाख शिक्षक परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। अब किसी भी बीमारी या आपातकालीन स्थिति में शिक्षकों और उनके परिजनों को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। सीएम योगी ने इसे शिक्षकों के योगदान के प्रति सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान, टैबलेट वितरण और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया।

विभाग जल्द से जल्द पूरी करेंगे प्रक्रिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश भर के शिक्षकों से यही कहूंगा कि आप लोग अच्छा करिए हम आपके साथ में हैं। शिक्षक दिवस पर आप सबके मन में होगा कि और क्या हो सकता है। हम आज घोषणा करना चाहते हैं और वह यह कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को हम कैशलेस उपचार की व्यवस्था का लाभ देंगे। इसके साथ ही शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोईया को भी हम इसके साथ जोड़ेंगे। यानी इस सुविधा का लाभ उत्तर प्रदेश के लगभग 9 लाख शिक्षकों यानी 9 लाख परिवारों को मिलेगा। बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग जल्द से जल्द सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करके एक समय सीमा के अंदर कैशलेस उपचार की सुविधा देने के लिए कार्य करेगा।

शिक्षामित्र और अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाने पर भी निर्णय

मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार जल्द ही इस पर सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का निर्णय इसलिए है कि यह लोग भी हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर इस अभियान को ताकत देते हैं। इसके लिए बहुत शीघ्र रिपोर्ट आने वाली है और हम उस दिशा में कुछ बेहतर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र की नींव मजबूत करने वाले निर्माता है। उनके सम्मान और सुविधाओं की चिंता सरकार की प्राथमिकता है।

ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार से बदली तस्वीर

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार जैसे अभियान चलाए गए। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 1.36 लाख विद्यालयों को 19 बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। वहीं प्रोजेक्ट अलंकार के जरिए अब तक 2,100 विद्यालयों को नए भवन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया गया है। निपुण भारत मिशन और बाल वाटिका जैसी योजनाएं बच्चों की भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने के साथ ही उन्हें पोषण और बुनियादी शिक्षा से जोड़ रही हैं।

नकल के कलंक से मुक्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले माध्यमिक शिक्षा परिषद नकल का अड्डा बन चुकी थी। बाहर के राज्यों से भी बच्चे यहां आकर नकल के सहारे पास होते थे। आज सीसीटीवी निगरानी में पारदर्शी परीक्षाएं कराई जाती हैं। 56 लाख विद्यार्थी परीक्षा देते हैं और मात्र एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अब यूपी बोर्ड का विद्यार्थी किसी भी बोर्ड से कमतर नहीं है।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी, 60 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। मामला निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है।

समाचार चैनल एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि शिल्पा और राज पर बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के लिए ये धोखाधड़ी की थी। बिजनेसमैन दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज ने अपने बिजनेस को बढ़ाने के नाम पर उससे 60 करोड़ रुपये लिए थे। कोठारी ने कहा कि दोनों ने इस रकम को अपने पर्सनल खर्चों में उड़ा दिया। पहले उसे कहा गया कि यह रकम लोन के तौर पर ली जा रही है, लेकिन बाद में टैक्स बचाने का दावा करते हुए इसे इंवेस्टमेंट के तौर पर दिखाया गया। कोठारी ने कहा कि इस रकम पर 12 फीसदी का सालाना ब्याज देने का भी वादा किया गया था। दीपक कोठारी ने ये भी कहा कि शिल्पा शेट्टी ने खुद उन्हें लिखित रूप में इसकी गारंटी दी थी, लेकिन बाद में शिल्पा ने फर्म के डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया। कोठारी ने कहा कि उन्हें काफी बाद में पता चला कि कंपनी के खिलाफ 1.28 करोड़ रुपये के दिवालियापन का मामला भी चल रहा है। हालांकि शिल्पा और राज की तरफ से इन सभी आरोपों का खंडन किया गया है और इसके बदनाम करने के उद्देश्य से लगाए गए आरोप कहा है।

सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान : चीन सीमा विवाद भारत की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि चीन के साथ भारत का सीमा विवाद देश के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। गोरखपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीन का सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान का छद्म युद्ध अगला बड़ा मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि इस्लामाबाद की रणनीति हमेशा से 'भारत को हज़ार ज़ख्म देकर लहूलुहान करने' की रही है। अनिल चौहान ने उपस्थित लोगों को बताया कि देशों के सामने चुनौतियाँ क्षणिक नहीं हैं; वे विभिन्न रूपों में मौजूद हैं। मेरा मानना है कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आगे भी रहेगी।

'देश दहल जाएगा...' मुंबई में घुसे 14 आतंकी, पुलिस के पास आया धमकी भरा मैसेज

मुंबई, एजेंसी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को एक धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया कि 14 आतंकवादी शहर में घुस आए हैं। ये संदेश कंट्रोल रूम को आया। कहा गया कि आतंकियों के पास 400 किलोग्राम RDX भी है। उन्होंने इसे वाहन में रख दिया। मैसेज के आने के बाद से पुलिस अलर्ट है। एक अधिकारी ने ये जानकारी दी।

अदिकारी ने बताया कि गणेश उत्सव के 10वें दिन अनंत चतुर्दशी के लिए पुलिस सुरक्षा इंतजाम कर रही है। इस बीच यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को व्हाट्सऐप हेल्पलाइन पर धमकी भरा संदेश मिला। उन्होंने बताया कि क्राइम ब्रांच ने धमकी भरे संदेश की जांच शुरू कर दी है और आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) तथा अन्य एजेंसियों

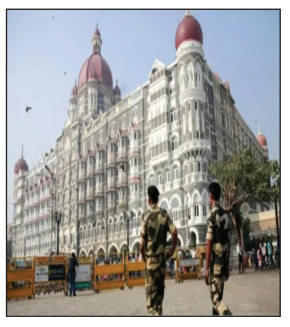

को भी सूचित कर दिया गया है।

अधिकारी ने और क्या कहा?

अधिकारी ने बताया कि संदेश भेजने वाले ने इसमें लश्कर-ए-जिहादी' नामक संगठन का नाम लिखा है। उसने दावा किया कि 14 आतंकवादी शहर में घुस आए हैं और उन्होंने 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स रखा है, जिससे देश दहल जाएगा।

मुंबई में 10 दिवसीय गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। पुलिस शनिवार को अंतिम दिन शहर की सड़कों पर उमड़ने वाली भीड़ के लिए सुरक्षा व्यवस्था कर रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि यह संदेश किसने भेजा है, साथ ही वह किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठा रही है। अधिकारी ने कहा कि प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और विभिन्न स्थानों पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुंबईवासियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की है।

'दादी का पोते से भावनात्मक रिश्ता होने के बावजूद, बच्चे पर मां-बाप का ही अधिकार', हाईकोर्ट का अहम फैसला

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने एक महिला को अपने पांच साल के पोते की कस्टडी उसके माता-पिता को लौटाने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा है कि बच्चे के साथ उनका भावनात्मक रिश्ता भले ही हो, लेकिन उन्हें बच्चे की कस्टडी का अधिकार नहीं मिल सकता। बच्चे की दादी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि वह जन्म से ही बच्चे की देखभाल कर रही हैं और उनके बीच भावनात्मक रिश्ता है।

पीठ ने भावनात्मक लगाव के आधार पर बच्चे की कस्टडी देने से इनकार किया

जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखड की पीठ ने गुरुवार को कहा कि दादी का बच्चे के साथ भावनात्मक रिश्ता हो सकता है, लेकिन इस तरह का लगाव उसे बच्चे के जैविक माता-पिता की तुलना में कस्टडी का अधिकार नहीं देता। अदालत ने कहा कि बच्चे की कस्टडी पर जैविक माता-पिता के अधिकारों को तभी छीना जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि उन्हें कस्टडी देना बच्चे के कल्याण के लिए नुकसानदायक होगा।

क्या है मामला

जिस बच्चे की कस्टडी का मामला है, वह बचपन से ही अपनी दादी के पास रह रहा था। बच्चे का एक जुड़वां भाई भी है, जो सेरेब्रल पल्सी बीमारी से पीड़ित है। माता-पिता ने सेरेब्रल पल्सी से पीड़ित बच्चे की देखभाल करने के लिए अपने दूसरे बेटे को दादी के पास छोड़ा था। हालांकि संपत्ति को लेकर हुए विवाद के चलते, बच्चे के पिता ने अपनी 74 वर्षीय मां से बच्चे की कस्टडी मांगी तो मां ने इनकार कर दिया। जिसके बाद बच्चे के पिता ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की।

अनिल अंबानी को एक और झटका, अब बैंक ऑफ बड़ौदा ने आरकॉम के खाते को 'फ्रॉड' किया घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और उसके पूर्व निदेशक अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी के ऋण खातों को 'धोखाधड़ी' (फ्रॉड) की श्रेणी में डाल दिया है। यह कार्रवाई उन कर्जों से संबंधित है जो कंपनी के दिवाला समाधान प्रक्रिया (ष्टढ्ढक्रक्क) में जाने से पहले लिए गए थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज को यह जानकारी दी। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक (स्क्चङ्घ) और बैंक ऑफ इंडिया भी आरकॉम के खातों को फ्रॉड घोषित कर चुके हैं।

इस मामले पर आरकॉम की ओर से स्पष्टीकरण आया है। कंपनी का कहना है कि यह सभी ऋण दिवाला प्रक्रिया शुरू होने से पहले के हैं और इनका निपटारा अब समाधान योजना के तहत ही होगा। फिलहाल कंपनी का प्रबंधन रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन ननावटी के हाथों में है और अनिल अंबानी अब कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल नहीं हैं। कंपनी ने बताया कि ऋणदाताओं की समिति (ष्टशष्ट) द्वारा समाधान

योजना को मंजूरी दी जा चुकी है और अब इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (ह्वष्टरुञ्ज) की अंतिम स्वीकृति का इंतजार है।

आरकॉम ने यह भी कहा कि दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 (ङ्कक्चष्ट) के तहत कंपनी के खिलाफ किसी भी नई कानूनी कार्रवाई पर रोक है। बैंक ऑफ बड़ौदा के इस कदम पर कंपनी कानूनी सलाह ले रही है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) अनिल अंबानी समूह की कंपनियों से जुड़े करीब 17,000 करोड़ रुपये के कथित ऋण घोटाले की जांच कर रहा है। ईडी ने इस सिलसिले में 12 से 13 बैंकों से रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, आरकॉम और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े ऋणों का ब्यौरा मांगा है। गौरतलब है कि जून 2024 में एसबीआई और 24 अगस्त को बैंक ऑफ इंडिया ने भी आरकॉम के खातों को धोखाधड़ी वाला घोषित किया था। बैंक ऑफ इंडिया ने फंड के कथित डायवर्जन और ऋण शर्तों के उल्लंघन का हवाला दिया था।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा है कि वह इस कार्रवाई की रिपोर्ट भारतीय रिजर्व बैंक (क्रक्चङ्घ) समेत सभी संबंधित नियामकों को सौंपेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से न केवल आरकॉम की दिवाला प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है, बल्कि यह बैंकिंग प्रणाली में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (हक्कर) के समाधान की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण संकेत है।

'एक रुपये नहीं मिलता, पूरा पैसा केंद्र रखती है', टीएमसी नेता बोले- संघीय ढांचा खत्म कर रहा 'सेस'

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सेस देश के संघीय ढांचे का गला घोंट रहा है। उन्होंने कहा कि इस टैक्स से राज्य सरकारों की हिस्सेदारी घटती जा रही है और केंद्र इसका पूरा पैसा अपने पास रखता है। ओ ब्रायन ने ब्लॉग पोस्ट के जरिए यह बात उठाई और चेतावनी दी कि राज्यों की वित्तीय स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि जीएसटी के शोर-शराबे में सबसे खतरनाक शब्द है 'सेस'। उन्होंने बताया कि सेस का पूरा पैसा केंद्र सरकार के पास जाता है, राज्यों को इसमें से एक रुपये का भी हिस्सा नहीं मिलता। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि साल 2012 में केंद्र

की टैक्स आमदनी में सेस की हिस्सेदारी 7 फीसदी थी, जो 2025 तक बढ़कर 20 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।

लाखों करोड़ रुपये पड़े हैं बेकार

टीएमसी नेता ने कहा कि साल 2019 से अब तक 5.7 लाख करोड़ रुपये का सेस और सरचार्ज उपयोग नहीं हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा शासित राज्यों समेत 22 राज्यों ने इस पर विरोध जताया था और 16वें वित्त आयोग से टैक्स का हिस्सा 41 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी करने की मांग की थी। ओ ब्रायन ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट बताती है कि 2011 में सकल कर राजस्व का 89 फीसदी हिस्सा राज्यों के साथ बांटा जाता था, लेकिन 2021 तक यह घटकर 79 फीसदी रह गया है।

सेस की तेज़ी से बढ़ोतरी

डेरेक ओ ब्रायन ने दावा किया कि 2015 से 2024 के बीच लागू किए गए सेस में 462 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यानि यह रकम अब दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। उन्होंने बताया कि सेस एक अतिरिक्त टैक्स है, जिसे किसी खास उद्देश्य के लिए लगाया जाता है, लेकिन इसकी रकम राज्यों के साथ साझा नहीं की जाती।

जीएसटी काउंसिल का नया फैसला

टीएमसी नेता ने पूर्व वित्त मंत्री अमित मित्रा का हवाला देते हुए कहा कि जीएसटी दरों में तर्कसंगत बदलाव तभी फायदेमंद है, जब आम जनता को इसका लाभ मिले। उन्होंने याद दिलाया कि जीएसटी को 18 फीसदी से ज्यादा नहीं रखने की सिफारिश संसदीय समिति ने 2015 में की थी। अब जाकर इसे लागू किया गया है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने 5 और 18 फीसदी की दो दरों को मंजूरी दी है, जो 22 सितंबर से लागू होंगी। हालांकि, विपक्षी राज्यों ने आशंका जताई कि इससे उन्हें राजस्व का बड़ा नुकसान होगा।

सिद्धिविनायक के भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी, कतारों से मिलेगी मुक्ति, मिलेंगी नई सुविधाएं; ट्रस्ट खर्च करेगा 100 करोड़

मुंबई, एजेंसी। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र, मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर का जल्द ही विस्तार किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट ने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है, जिसके तहत मंदिर के बगल में स्थित एक पुरानी इमारत को खरीदा जाएगा ताकि भक्तों के लिए बेहतर सुविधाएं जुटाई जा सकें। मंदिर का प्रबंधन देख रहे ट्रस्ट के अध्यक्ष और पूर्व विधायक सदा सरवनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर के ठीक बगल में स्थित 708 वर्ग मीटर के प्लॉट पर बनी तीन मंजिला 'राम मैंसन' इमारत को खरीदने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसके अलावा, ट्रस्ट की ही जमीन पर बनी सिद्धिविनायक कॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी से भी जमीन लेने की योजना है।

सीबीआई को मिली बड़ी सफलता, भगोड़े हर्षित बाबूलाल जैन को यूएई से लाया गया वापस

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुजरात पुलिस, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यूएई से वांछित भगोड़े हर्षित बाबूलाल जैन का प्रत्यर्पण किया।

टैक्स चोरी, अवैध जुआ और मनी लॉन्डरिंग के मामले में हर्षित बाबूलाल जैन वांछित है। इससे पहले सीबीआई ने गुजरात पुलिस के अनुरोध पर 9 अगस्त 2023 को इंटरपोल के माध्यम से हर्षित बाबूलाल जैन के खिलाफ इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करवाया था। आरोपी को यूएई से भारत लाया गया और अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को उसे गुजरात पुलिस को सौंप दिया गया।

इंटरपोल की ओर से वांछित भगोड़ों पर नजर रखने के लिए दुनिया भर की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को रेड नोटिस भेजे जाते हैं।

देश में इंटरपोल के लिए राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में सीबीआई, इंटरपोल चैनलों के माध्यम से सहायता के लिए भारतपोल के माध्यम से देश की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से समन्वय करके 100 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। इससे पहले सीबीआई ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, चंदौसी शाखा के प्रबंधक और फील्ड ऑफिसर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

यमुना ने वृंदावन में मचाया हाहाकार, कॉलोनियां और सड़कें जलमग्न, बेघर हुए हजारों लोग, प्रशासन ने की ये अपील

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। इन दिनों वृंदावन में यमुना ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। यमुना के बढ़ते कदमों से लोग चिंतित हैं। तेज गति से पंख फैलाती यमुना नदी घाटों से निकलकर कॉलोनियों और सड़कों पर नजर आ रही है। कई घाटों को सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि कोई हादसा नहीं हो जाए। अब तक बाढ़ से प्रभावित दर्जनों कॉलोनियों से डेढ़ हजार से अधिक लोगों को नावों के जरिए सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा दिया है। वहीं पशुओं को भी सुरक्षित आसरा दिया है।

वृंदावन में यमुना के बढ़ते जलस्तर ने घाटों, कॉलोनियों और संकरी गलियों को जलमग्न कर दिया है। निचले इलाकों में हालात बेहद चिंताजनक हैं। प्रशासन ने कई घाटों पर बैरिकेडिंग की है और पीएसी की तैनाती के साथ राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। पहले तो केसी घाट को बंद किया गया था, लेकिन अब देवराहा बाबा घाट को भी बंद कर दिया है।

जगन्नाथ घाट और कालिदह मार्ग में सड़कें यमुना के पानी से लबालब हो रही हैं। यहां भी प्रशासन ने बैरियर लगा दिए हैं। भक्ति विहार, घनश्याम वाटिका, श्रीजी वाटिका, टटिया स्थान की गोशाला, श्याम नगर, केशव नगर, अक्रूर धाम, मोहिनी नगर आदि क्षेत्रों के हालात खराब हो रहे हैं। पिछले दो दिनों में नावों की मदद से यहां से लगभग 1500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। शहर के भीतर की सड़कों पर नावें चल रही हैं।

रातभर जाग रहे लोग, आंखों में चिंता

यमुना के बढ़ते जलस्तर ने लोगों की नींद उड़ा दी है। कई परिवारों ने पूरी रात घर खाली करने की तैयारी में काटी। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित केंद्रों में पहुंचाया गया है। पीने का पानी, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है। वृंदावन को जोड़ने वाले कई आंतरिक मार्ग अवरुद्ध हो चुके हैं। बाढ़ राहत दल, नगर निगम कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएं और पुलिस बल लगातार राहत कार्यों में लगे हुए हैं।

प्रशासन की अपील- अफवाहों से बचें, सहयोग करें

जिलाधिकारी सीपी सिंह ने कहा कि नागरिक धैर्य बनाए रखें, अफवाहों से दूर रहें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने की सलाह दी गई है।

जल जीवन मिशन के जिम्मेदारो की बड़ी लापरवाही

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बलदीराय तहसील क्षेत्र के रैचा गांव में जल जीवन मिशन के तहत खोदे गए गड्ढे स्थानीय लोगों के लिए खतरा बने हुआ हैं। गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित इन गड्ढों से दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। विद्यालय होने के कारण सैकड़ो छात्र छात्राए उक्त मार्ग से ही आते जाते है गड्ढे में पानी भरा होने से वह समतल दिखाई पड़ता है। उसके गहरा होने का अंदाजा नहीं रहता । वहीं पास में ही विद्यालय होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का भी आवागमन रहता है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। गांव के उमेश पांडे, कपिल देव, अखलेश, अभय, कल्लू विश्वकर्मा, जयप्रकाश सहित अन्य

लोगों ने विभाग के अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई कर गड्ढों को भरवाने की मांग की है। इस संबंध में जल जीवन मिशन के जेई आशीष सिंह ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि गड्ढों को जल्द ही दुरुस्त कराकर सुरक्षित बना दिया जाएगा।

एक खंभे के सहारे चल रही गांव की बिजली सप्लाई, ट्रांसफार्मर न लगने से बढ़ा खतरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बलदीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत रैचा के पूरे सरयू पंडित गांव में विद्युत विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के लगभग दर्जनों घरों की बिजली सप्लाई सिर्फ एक खंभे के सहारे दी जा रही है। नंगे तारों से हो रही आपूर्ति से किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि कई वर्ष पूर्व गांव में विद्युतीकरण कराया गया था। लेकिन कुछ ही समय बाद आई आंधी-तूफान में लगे अधिकांश खंभे टूटकर गिर गए। इसके बाद विभाग ने दोबारा खंभे लगवाने की जहमत तक नहीं उठाई। नतीजतन, पूरा गांव आज तक एक ही खंभे पर निर्भर है।ग्रामीणों का कहना है कि वे कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित व मौखिक शिकायत कर चुके हैं। गांव में अतिरिक्त खंभे और एक नया

ट्रांसफार्मर लगाने की मांग भी की गई, मगर जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया।गांववासियों ने बताया कि तार बिखरे होने से हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती है। वहीं, लो वोल्टेज की समस्या भी आए दिन परेशान करती है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से प्रार्थना पत्र देकर तत्काल गांव की विद्युत समस्या दूर कराने की मांग की है।एसडीओ बलदीराय मार्तंड प्रताप सिंह ने बताया कि विभाग को अवगत करा दिया गया है। जल्द से जल्द गांव की समस्या का समाधान किया जायेगा।

बेटी विदेश में, बेटा नोएडा में, पति रिटायर्ड बैंक मैनेजर... कानपुर में स्मिता सेठी की मौत आत्महत्या या कुछ और ?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के गोविंद नगर इलाके में लखनऊ से अपनी मां को देखने आई महिला की छत से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला की पहचान स्मिता शेट्टी के नाम से हुई है। मृतका रिटायर बैंक मैनेजर की पत्नी थी। महिला की बेटी विदेश में है। वहीं बेटा नोएडा में मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है। फिलहाल स्मिता शेट्टी की संदिग्ध पारीस्थिति में गिरकर मौत हो गई है। मामले में मृतका के भाई ने गोविंद नगर थाना पुलिस को बताया है कि उसके बहन की मौत छत से गिरकर हुई है। महिला के छत से गिरने की घटना पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फिलहाल मामले में पुलिस जांच कर रही है।

महिला लखनऊ के आशियाना इलाके में रहती थी। उसका पति सुरेश

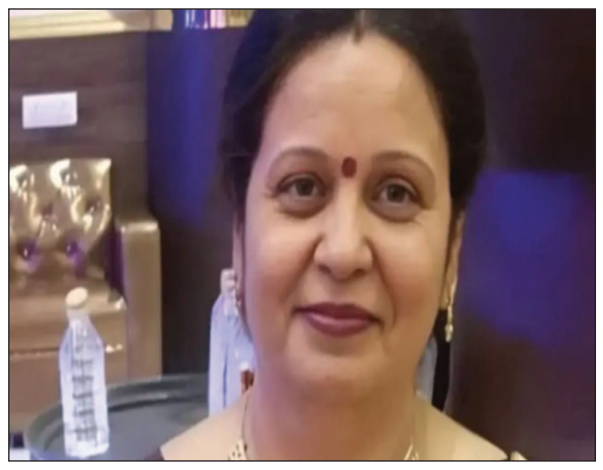

सेठी बैंक ऑफ बड़ौदा से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में सब कुशल मंगल चल रहा था। उनका एक बेटा हिमांशु और एक बेटी चारु है। पति सुरेश ने बताया कि उनकी पत्नी स्मिता 30 अगस्त को अपनी मां के बीमारी के बारे में सुनकर उनसे मिलने आई है। जो की कानपुर के गोविंद नगर ब्लॉक साथ में रहती हैं। घटना के समय घर में मृतका की मां मौजूद थी।

भाई ने क्या कहा?

मृतका स्मिता के भाई मनोज अरोड़ा ने बताया कि मैं उनका छोटा भाई हूं। घटना जब हुई इस वक्त मैं दुकान में था और एक बहन और मेरी पत्नी बाजार गए हुए थे। उन्हें घटना की जानकारी आस पड़ोस के लोगों से मिली। उन्होंने बताया कि स्मिता मां को देखने पहले आ गई थीं। उसके कहने पर छोटी बहन भी बुधवार को इलाहाबाद से कानपुर घर पहुंची थी।

मिला गिरने का सीसीटीवी

पूरी घटना गुरुवार दोपहर के समय की है। उसने कहा कि मैं मौके पर पहुंचकर पुलिस को बुलाया और उनको पूरी जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मामले में मिले सीसीटीवी फुटेज में स्मिता का छत से जमीन पर गिरते हुए वीडियो कैद हुए हैं। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लेकिन जब तक स्मिता को उठाया गया तब तक उनकी तड़पकर मौत हो गई थी।

जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल घटना को लेकर परिवार वाले असमंजस में हैं कि आखिरकार स्मिता ने सुसाइड क्यों किया। वहीं दूसरी ओर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह छत से गिर गई है। फिलहाल पुलिस घर के आसपास मौजूद सीसीटीवी कैमरा के फुटेज चेक कर रही है। पुलिस का मानना है कि बिना किसी पुख्ता सबूत के कुछ कह पाना असंभव है।

गोविंद नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मृतका स्मिता के भाई मनोज ने उनके छत से गिर जाने की जानकारी दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा जा रहा है। घटना है या दुर्घटना कुछ भी कह पाना मुश्किल है।

शिकायतकर्ता ने नामित जांच अधिकारी पर की आपत्ति

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिंघनी मे भ्रष्टाचार का मामला तूल पकड़ रहा है शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार की जांच में नामित अधिकारी को हटाकर किसी दूसरे सक्षम अधिकारी से जांच करवाए जाने की मांग जिलाधिकारी से की है। मामला विकासखंड बल्दीराय की ग्राम पंचायत सिंघनी का है ग्राम पंचायत के निवासी प्रवीण कुमार सिंह ने ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान विकास यादव द्वारा किए गए भ्रष्टाचार व विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत जिलाधिकारी से संदर्भ संख्या 400179250255 17 तथा प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश से संदर्भ संख्या 40017925025521 से शिकायत की थी दोनों शिकायतों को त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने आदेश संख्या 35 56 /1 जिला कृषि अधिकारी को जांच अधिकारी नामित करते हुए जांच करने के आदेश दिए थे।क शिकायतकर्ता प्रवीण सिंह ने बताया कि इसके पूर्व भी ग्राम पंचायत के निवासी अनुराग सिंह ने शिकायत की थी जिसमें जिला कृषि अधिकारी को ही जांच अधिकारी के तौर पर नामित किया गया था।

बच्चों की ममता और पति के प्यार पर हवस पड़ा भारी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। चांदा कोतवाली क्षेत्र के किंदीपुर बाजार में गुरुवार सुबह मिला सिर कटा शव पूरे जिले को हिला गया। जो हत्या पहले रहस्य बनकर सामने आई थी, उसका खुलासा होते ही हर किसी का दिल दहल गया। इस दिल दहला देने वाली वारदात में किसी और ने नहीं, बल्कि मृतक की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के अनुसार, कयामुद्दीनपुर निवासी महेश कुमार गौतम (35 वर्ष) बुधवार की शाम घर से सामान लेने निकले थे। देर रात तक घर न लौटने पर परिजन चिंतित हो उठे। गुरुवार भोर में ग्रामीणों ने किंदीपुर बाजार के पास महेश का सिर कटा शव देखा तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पत्नी पूजा पर आरोप है कि उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर यह खौफनाक साजिश रची। हवस और अवैध संबंधों की अंधी दौड़ में उसने अपने पति को मौत के घाट उतारने में कोई हिचक नहीं दिखाई। प्रेमी संग मिलकर उसने पति की बेरहमी से हत्या कर दी और अपने बच्चों का सहारा छीन लिया।

मृतक के भाई गणेश कुमार गौतम की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश और दहशत का माहौल है। हर कोई यही सवाल कर रहा है कि क्या हवस और शौक इतना हावी हो सकता है कि एक पत्नी अपने ही पति की हत्यारी बन जाए? मृतक महेश की पत्नी का रहन-सहन और ठाठ-बाट शक का कारण बना। पुलिस ने कड़ियां जोड़ीं तो खुलासा हुआ कि पत्नी का पास ही किराना की दुकान चलाने वाले एक यादव युवक से अवैध संबंध था। बताया जाता है कि घटना की रात महेश के घर से निकलते ही पत्नी ने प्रेमी को फोन कर मुलाकात की और दोनों ने साजिश के तहत पति का बेरहमी से कत्ल कर डाला। सुबह जब शव मिला तो पत्नी घड़ियाली आंसू बहाती रही, जबकि प्रेमी भी घटनास्थल पर मौजूद रहकर भीड़ में घुलमिल गया। पुलिस ने दोनों के हिरासत में ले लिया है। इस खौफनाक हत्या ने पूरे इलाके को हिला दिया है।

महेश कुमार गौतम की दर्दनाक मौत और उसकी साजिश में पत्नी का शामिल होना, सबसे ज्यादा उन मासूम बच्चों के लिए बड़ा सदमा है। पिता की ममता और मां का साया दोनों एक साथ छिन जाना, बच्चों के लिए जीवनभर का घाव बन गया है। प्रिया, सुंदरी और छोटे समर की मासूम आंखें अब बार-बार यही सवाल कर रही हैं कि उनका क्या कसूर था? जो पिता हमेशा उनके भविष्य की ढाल थे, वही अब हमेशा के लिए उनसे दूर चले गए। और मां, जिस पर बच्चों का सबसे ज्यादा भरोसा होता है, वही उनकी दुनिया उजाड़ने की गुनहगार निकली।

कमला विद्या मंदिर में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस

सुलतानपुर। शहर के करौंदिया क्षेत्र में स्थित कमला विद्या मंदिर में शिक्षक दिवस समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरुजनों का सम्मान उपहार देकर किया। इस मौके पर विद्यालय का छात्र कुंवर आनंद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की वेशभूषा में ऐसा करतब दिखाया कि मौजूद लोग भाव विभोर हो उठे। छात्र कुंवर आनंद ने केक काटकर स्व. राधाकृष्णन का जन्मदिन मनाया। विद्यालय के प्राचार्य प्रेम कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि लगन और मेहनत से सफलता अर्जित की जा सकती है। प्रबंधक संतोष कुमार श्रीवास्तव ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन परिचय के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। आराधना श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अंशिका, वर्षा, शगुन, मुस्कान, दुर्गा, प्रिया, सृष्टि सोनकर द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रबंधक संतोष कुमार श्रीवास्तव की ओर से आराधना श्रीवास्तव, राजेश्वरी मिश्रा, सरिता, पूनम, प्रिया, सुष्मिता, मनीषा, पिंरसी, गुलशिफा, शहजादी, त्रिभुवन नाथ चौबे, रितेश जी, किसलय तिवारी, हर्षित सिंह आदि शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रेम कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सुमन श्रीवास्तव, ऋषि श्रीवास्तव, सुप्रिया श्रीवास्तव, रवि तिवारी, राम प्यारी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में प्राचार्य प्रेम कुमार श्रीवास्तव ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

ममता हत्याकांड : 'पत्नी ने नहीं मानी मेरी बात... कर रही थी आनाकानी', बीवी को मारकर पति बोला– मुझे उससे नफरत थी

आर्यावर्त संवाददाता

पादरी बाजार/गुलरिहा। ममता हत्याकांड के आरोपी पति विश्वकर्मा चौहान को शाहपुर पुलिस ने गुरुवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया। पुलिस ने मामले में देर रात ममता की बेटी मुक्ति की तहरीर पर पुलिस ने गुलरिहा थाना क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो निवासी विश्वकर्मा चौहान के खिलाफ केस दर्ज कर पूछताछ की।

जेल जाने से पहले आरोपी पति विश्वकर्मा चौहान ने पुलिस को बताया, मैं किसी भी हाल में ममता को एक भी रुपये भी नहीं देना चाहता था। वो खेत अपने नाम करने का दबाव बना रही थी। मुझे उससे नफरत थी। दोनों लोग आपसी सहमति से अलग हो रहे थे। मगर वह गवाही देने में आनाकानी कर रही थी। उसकी वजह से तलाक की प्रक्रिया रुक गई थी। वह कई बार ममता से गवाही देने के लिए कह चुका था, लेकिन वह मान नहीं रही थी।

बोला- अब मुझे रुपये देने की चिंता नहीं

पूछताछ में आरोपी विश्वकर्मा चौहान ने पुलिस को बताया कि वह तलाक चाहता था, लेकिन ममता की ओर से बेटी के भरण-पोषण को लेकर दबाव बनाए जाने से वह नाराज था। इसी नाराजगी में उसने बुधवार शाम ममता की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने यह भी बताया कि उसे पत्नी की मौत का दुख नहीं है, बल्कि अब उसे कोई रुपये देने की चिंता नहीं होगी।

इधर, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद ममता का शव उसके भाई और अन्य रिश्तेदारों को सौंप दिया। इसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। ममता के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। उनके तीन भाई लुधियाना में रहते हैं। ममता की हत्या के बाद उनके मोबाइल से नंबर निकालकर पुलिस ने भाई संदीप को सूचना दी। ममता के तीन भाई संदीप चौहान, शनि चौहान और सुभाष

चौहान हैं।

पुलिस की सूचना पर वे बृहस्पतिवार दोपहर गोरखपुर पहुंचे और ममता की बेटी को अपने साथ ले गए। इधर, वारदात के बाद एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसमें ममता जमीन पर पड़ी दिखाई देती हैं और पास कोई व्यक्ति उन्हें उठाने की कोशिश करता दिखाई देता है।

दोनों एक दूसरे पर करते थे संदेह

विश्वकर्मा और ममता विवाद के बाद अलग रहने लगे थे। दोनों एक-दूसरे पर संदेह करते थे। विश्वकर्मा के कई महिलाओं से संबंध होने के कारण ममता नाराज होकर उससे अलग रह रही थीं। वहीं, विश्वकर्मा को भी ममता पर किसी युवक के साथ संबंध का संदेह था।

आरोपी का भतीजे था शातिर लुटेरा

विश्वकर्मा का भतीजा नामी लुटेरा था। वर्ष 2018 में उसकी हत्या हो गई थी, जिसके बाद से विश्वकर्मा को भी अपनी हत्या का भय सताने लगा था। इसके बाद उसने खुद की सुरक्षा के लिए वर्ष 2019 में उसने अवैध तरीके से पिस्टल खरीदी। उसे वह साथ में लेकर चलता था। बुधवार शाम उसने उसी पिस्टल से पत्नी ममता की हत्या की थी। पुलिस ने उसके पास से पिस्टल भी बरामद कर ली है।

घटनास्थल पर नहीं मिले खून के निशान

गोली लगने के बाद महिला के शरीर से खून नहीं गिरा। पुलिस के मुताबिक महिला के सीने में गोली लगने पर मामूली खून के निशान थे। जमीन पर कहीं भी खून नहीं गिरा था।

बेटी बोली- पिता के कई लड़कियों से थे संबंध

मां की हत्या के बाद 13 साल की बेटी ने पिता के खिलाफ तहरीर देकर केस दर्ज कराया। बच्ची, शाहपुर में ही स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा है। बताया कि पिता का कई लड़कियों से अफेयर था। इसलिए वह मम्मी को परेशान करते थे। बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी।

मां को खोने के बाद अकेली पड़ गई मासूम

ममता की बेटी मुक्ति ने अपनी मां को खो दिया और पिता के खिलाफ कानूनी लड़ाई में अकेली पड़ गई। पड़ोसियों ने बताया कि ममता हमेशा अपने परिवार और बेटी के भविष्य के लिए लड़ती रहीं लेकिन तलाक और रुपयों के विवाद ने उनके जीवन को भयावह मोड़ पर ला दिया। पूरे इलाके में शोक और डर का माहौल है। यह घटना याद दिलाती है कि पारिवारिक कलह, शक, तलाक और रुपयों के झगड़े कैसे किसी की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल सकते हैं।

चार भाइयों में सबसे छोटा है हत्यारोपी

आरोपी विश्वकर्मा चार भाइयों धर्मेंद्र चौहान, राजेश चौहान और बबलू के बाद सबसे छोटा है। तीनों भाई अपने परिवार के साथ मुंबई में रहते हैं। जबकि विश्वकर्मा अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ घर पर रहता था। उसके पिता रेलवे कारखाने से लगभग 12 साल पहले रिटायर हुए थे। बुजुर्ग पिता ने बताया कि कुछ माह पहले विश्वकर्मा चौहान ने अपने हिस्से की जमीन पिता से रजिस्ट्री कराने के बाद करीब 35 लाख रुपये में बेच दी थी। ममता को जब इसकी जानकारी हुई तो वह रुपये की मांग करने लगी थीं। इसके बाद से विवाद और बढ़ गया था।

नोएडा के इस इलाके में चलेगा बुलडोजर, कई कमर्शियल इमारतें होंगी ध्वस्त, अथॉरिटी ने कही ये जरूरी बात

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में भी बाबा का बुलडोजर चलने जा रहा है। नोएडा में अवैध तरीके से बनी इमारतों को जमींदोज करने की तैयारी की जा रही है। इस बार ये बुलडोजर एक्शन नोएडा के बरौला में होगा। यहां 9 खसरा नंबरों की पहचान की गई है, जिन पर अवैध तरीके से कमर्शियल बिल्डिंग निर्माण किया गया था। ऐसे में अब इन इमारतों को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

हनुमान मूर्ति के पास भूमाफियाओं ने गैरकानूनी तरीके से दुकानों का निर्माण किया। इसके बाद उन्हें मोटी कीमत पर व्यापारियों को बेच दिया। अब यहां खसरा नंबर 582, 601, 602, 603, 605, 606, 607, 608 और 609 पर बनीं कमर्शियल बिल्डिंग को मार्क किया गया है। ये अवैध तरीके से तैयार की गई हैं। इसलिए इन इमारतों पर

बुलडोजर चलेगा, जल्द ही इन पर सीलिंग का एक्शन शुरू किया जाएगा।

इन लोगों को होगा नुकसान

इन इमारतों के गिरने से सबसे ज्यादा नुकसान इन बिल्डिंगों में लाखों रुपये खर्च कर कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदने वालों को होगा, लेकिन अब ये सभी प्रॉपर्टी अथॉरिटी के लिए अवैध हैं। ऐसे में इन लोगों को इन बिल्डिंगों के बदले में कोई सुरक्षा या दस्तावेज भी नहीं दिया जाएगा। अब इन लोगों के सामने संकट खड़ा हो गया है। क्योंकि जल्द ही इन इमारतों को धवस्त कर दिया जाएगा।

जमीन खरीदने से पहले जांच करें

नोएडा अथॉरिटी ने लोगों से अपील की है कि कोई भी किसी भी इलाके में जमीन खरीदने से पहले उसकी जांच पड़ताल जरूर कर लें। खसरा नंबर से लेकर, वेरिफिकेशन तक सब कुछ ध्यान से करें। इसके बाद ही जमीन खरीदें। इसके साथ ही कहा गया कि कई बार भूमाफिया फर्जी दस्तावेज दिखाकर भोले भाले आम लोगों को अवैध जमीन बेच देते हैं, जिसके बाद खरीदने वालों को नुकसान उठाना पड़ता है। भूमाफिया के अवैध तरीके से जमीन बेचने के मामले पिछले कुछ सालों से ज्यादा बढ़ गए हैं, लेकिन अब प्रशासन भी सख्त हो गया है और अवैध निर्माण को ध्वस्त करने में जुट गया है।

गोरखपुर में सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले- घबराइए मत, आपकी समस्या का कराएंगे समाधान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएंगे। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है।'

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

यह भी पढ़ें- गोरखनाथ मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शुरू, CM योगी बोले- सनातन और भारत के कल्याण में निहित है सबका कल्याण

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने अफसरों से कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए जिससे उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

शिक्षक दिवस पर उपमुख्यमंत्री ने डॉ. राधाकृष्णन को किया नमन, शिक्षकों से छात्रों को इतिहास और संस्कृति से जोड़ने की अपील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कालिदास मार्ग पर महान दार्शनिक, शिक्षाविद और विचारक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है और उनके विचार समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हैं।मौर्य ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और उत्थान के लिए अनुकरणीय कार्य किए। उनका पूरा जीवन ही एक संदेश है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उपमुख्यमंत्री ने देश और समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान का उल्लेख करते हुए आह्वान किया कि शिक्षक बच्चों को ऐसे व्यक्तित्वों के बारे में बताएं जिन्होंने संघर्ष और मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त की। उन्होंने शिक्षकों से छात्रों को इतिहास और संस्कृति की जानकारी देने और इसके लिए प्रेरित करने की अपील भी की।

बिहार चुनाव में भाजपा-एनडीए की होगी एकतरफा जीत: केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बिहार के चुनाव में भाजपा और एनडीए गठबंधन की एकतरफा जीत होने जा रही है। कांग्रेस की भ्रष्टाचार वाली नीति के चलते भारत आज विश्व में पिछड़ गया है। हमसे बाद में आजाद होने वाले देश विकसित देश बन गए हैं जबकि भारत आज भी विकासशील देश है। कांग्रेस, राजद एंड कंपनी के मुद्दों की हवा निकल गई है। जनता बिहार चुनाव में इनको जवाब देगी। कांग्रेस की ओर से बिहार ने निकाली गई यात्रा में अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। आज बिहार तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है तो कांग्रेस को भ्रष्टाचारयुक्त बिहार याद आ राह है। मौर्य शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित शिक्षकों के सम्मान समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इसके पहले सर्किट हाउस में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वह सरकार की योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएं। विपक्ष के दुष्प्रचार को नाकाम करने का कार्य करें। 2027 में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन की पहली गुरु मां होती है। इसके बाद शिक्षक के सानिध्य में मनुष्य जीवन के पथ पर आगे बढ़ता है। मौर्य ने कहा कि 15 अगस्त को पीएम मोदी ने लाल किले से जो वादा किया था उसको पूरा कर दिया। जीएसटी के नए बदलाव से लोगों को काफी फायदा होगा। यह बदलाव 22 सितंबर से लागू हो जाएगा।

केशव प्रसाद ने कहा कि अगर भारत को विश्व की आर्थिक और सामरिक शक्ति बनाना है तो हमें विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर देश में निर्मित स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना होगा। इससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस 17 सितंबर से सेवा पखवाड़े की शुरुआत होगी। सभी लोग पर्यावरण की रक्षा के लिए एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनें। कहा कि सपा शासनकाल में हत्या, लूट, दुष्कर्म, अपहरण और गुंडागर्दी चरम पर थी। सपा की सरकार फिर बनी तो फिर जनता को यही झेलना पड़ेगा। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीके सिंह, एमएलसी केपी श्रीवास्तव, कविता पटेल, विनोद प्रजापति, कुंज बिहारी मिश्रा, शशि वार्ष्णेय, मनोज कुशवाहा, पवन श्रीवास्तव, राजेश केसरवानी, विवेक मिश्र आदि मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे ने लखनऊ में एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज की घटना पर कहा कि पुलिस ने सही नहीं किया। उन्होंने कहा कि मैं भी एबीवीपी कार्यकर्ता हूं। कार्यकर्ता के रूप में मैंने भी एबीवीपी में काम किया है।

एलएलवी पाठ्यक्रम विवाद: उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने घायल छात्रों से की मुलाकात

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय शुक्रवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ पहुंचे और वहां रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में एलएलवी पाठ्यक्रम की मान्यता नवीनीकरण एवं अवैध वसूली को लेकर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्रों से मुलाकात की। मंत्री ने छात्रों का हालचाल जाना, उनकी चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी ली और उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।मुलाकात के दौरान छात्रों ने मंत्री को वीडियो दिखाते हुए बताया कि किस प्रकार शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याएँ उठाने पर भी उनके साथ हिंसा की गई। उच्च शिक्षा मंत्री ने छात्रों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और कहा कि योगी सरकार छात्रों की न्यायोचित मांगों के साथ खड़ी है और उनके हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रतापगढ़ में 08 करोड़ रुपए की लागत से धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास की योजनाओं को मिली मंजूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य के धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी क्रम में प्रतापगढ़ जिले के लिए लगभग 08 करोड़ रुपए की लागत से आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन योजनाओं के तहत जिले के प्रमुख मंदिरों, धामों और बौद्ध स्थलों के आसपास पर्यटक सुविधाओं का विस्तार और विकास किया जाएगा। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।पर्यटन मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक वातावरण उपलब्ध कराना है। नई परियोजनाओं से प्रतापगढ़ जनपद की धार्मिक आस्था से जुड़ी धरोहरों को नया स्वरूप मिलेगा। इससे क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। प्रतापगढ़ प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाला केंद्र बन सकेगा।र्यटन विभाग ने प्रतापगढ़ जनपद में कई प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। इनमें नगर पालिका बेल्हा, रंजितपुर चिलबिला स्थित सुगता नन्द बौद्ध बिहार, वार्ड संख्या-08 जगापुर स्थित राम जानकी मंदिर, ग्राम सभा बुआपुर (रूपपुर), विकासखंड मान्धाता स्थित बौद्ध बिहार, विकासखंड सांगीपुर स्थित बाबा घुईसरनाथ धाम, ग्राम सर्वजीत ब्लॉक व तहसील पट्टी स्थित मां दुर्गा मंदिर, ग्राम पंचायत नौबस्ता (वि०ख० कुण्डा) स्थित नरसिंह धाम मंदिर (गंगा तट), ग्राम पंचायत शाहपुर (वि०ख० कुण्डा) स्थित बाबा अवधेश्वरनाथ धाम मंदिर (गंगा तट) तथा नगर पंचायत मानिकपुर स्थित मां ज्वाला देवी धाम सिद्धपीठ शामिल हैं। प्रत्येक धार्मिक स्थल के पर्यटन विकास के लिए एक-एक करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।श्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित रखते हुए उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना है। प्रतापगढ़ में 08 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य शुरू किए जाएंगे, जिनसे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नई सुविधाएं और आकर्षण मिलेंगे। परियोजनाओं के तहत गंगा तट के धामों, प्राचीन बौद्ध विहारों और मंदिरों का विकास इस तरह किया जाएगा कि आस्था, परंपरा और आधुनिकता का संगम दिखाई दे। इन प्रयासों से पर्यटन को नई गति मिलेगी और स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

लखनऊ पुलिस ने 25 हजार का इनामी गैंगस्टर नदीम उर्फ फिरोज को गिरफ्तार किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना गुडम्बा पुलिस ने शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर नदीम उर्फ फिरोज उर्फ कामरान उर्फ जीतू उर्फ अली खान को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी द्वारा इनाम घोषित किया गया था।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अनुसार, गैंग लीडर नदीम और उसके साथी मोहम्मद आसिफ उर्फ भाई जान के खिलाफ 10 अप्रैल 2025 को गैंगस्टर अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों पर संगठित गिरोह बनाकर जनपद स्तर पर लूट, छिनैती और चोरी जैसी वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। अभियुक्त लगातार अपने गिरफ्तारी से बचता रहा।मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक गुडम्बा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में उपनिरीक्षक यशपाल सिंह और हमराही पुलिस बल ने वसंत कुंज आवास योजना के निकट कूदा चौराहा थाना क्षेत्र ठाकुरगंज से नदीम को दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त नदीम उर्फ फिरोज उर्फ कामरान उर्फ जीतू उर्फ अली खान, पुत्र मोहम्मद रफीक, निवासी कटहरिया मोहल्ला चौक मस्जिद के पास थाना कोतवाली शहर, जनपद गोण्डा का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ लखनऊ के गुडम्बा, गाजीपुर, जानकीपुरम और विकासनगर थानों में दर्ज मुकदमों में लूट, चोरी, गैंगस्टर अधिनियम, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं।पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक यशपाल सिंह और कांस्टेबल दलवीर सिंह, विकल्प और श्रीकृष्ण चौधरी शामिल थे। पुलिस ने कहा कि इस गिरफ्तारी से अपराधी गिरोहों में डर पैदा हुआ है और यह कार्रवाई जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लखनऊ पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने वाले 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना सैरपुर पुलिस ने शुक्रवार को शांति व्यवस्था भंग करने और आपसी झगड़े में शामिल 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में सूरज शर्मा, अरमान अली, सुभाष, गोलू शर्मा, नियाज अहमद, रेहान अहमद, मो0 आसिफ, सुमित, ओम प्रकाश यादव और अब्दुल खालिक शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, दिनांक 05.09.2025 को उपनिरीक्षक संदीप कुमार मिश्रा और उनकी टीम, जिसमें हे0का0 केशव राम सरोज, कांस्टेबल राजेश कुमार आर्या, पंकज कुमार, राजू राणा शामिल थे, सिस्टम कैफे के पास तैनात थे। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति आपस में विवाद कर रहे हैं। मौके पर पहुँचने पर पाया गया कि दोनों पक्षों में तीव्र विवाद और झगड़ा हो रहा था। पुलिस ने विवाद को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन

दोनों पक्ष सहयोग नहीं कर रहे थे और आरोप-प्रत्यारोप जारी रखा।

पुलिस ने बताया कि मामले में शांति भंग और आम फौजदारी की संभावना को देखते हुए सभी 10 व्यक्तियों को धारा 170 बी0एन0एस0एस0 के तहत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही के लिए न्यायालय में पेश किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों में सूरज शर्मा, अरमान अली, सुभाष, गोलू शर्मा मुख्य रूप से लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं, जबकि रेहान अहमद, मो0 आसिफ और अब्दुल खालिक सीतापुर जनपद के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में कुछ बेरोजगार हैं, कुछ निजी नौकरी करते हैं और कुछ मिस्त्री हैं।प्रभारी निरीक्षक सैरपुर ने बताया कि यह कार्रवाई लोगों में शांति बनाए रखने और सामाजिक सौहार्द को सुनिश्चित करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐसे सभी मामलों पर नजर बनाए हुए है और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक संदीप कुमार मिश्रा, कांस्टेबल राजेश कुमार आर्या, राजू राणा, पंकज कुमार और हे0का0 केशव राम सरोज की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

○ संक्षेप ○

अहियागंज उद्योग व्यापार मंडल ने किया जुलूस-ए-मदेह सहाबा का स्वागत, गंगा-जमुनी तहज़ीब का दिया संदेश

लखनऊ। अहियागंज उद्योग व्यापार मंडल द्वारा जुलूस-ए-मदेह सहाबा का स्वागत बड़े ही धूमधाम से किया गया। यह स्वागत श्री सिद्धनाथ मंदिर के सामने, नादान महल रोड पर संपन्न हुआ।इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र एवं युवा अध्यक्ष कुश मिश्रा ने जुलूस का नेतृत्व कर रहे मौलाना अज़ीम फरुखी और मौलाना अब्दुल बरी फरुखी को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी व्यापार मंडल द्वारा जुलूस में सम्मिलित लोगों का बूंदी खिलाकर स्वागत किया गया। वहीं युवा अध्यक्ष कुश मिश्रा ने कहा कि लखनऊ की गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक है कि इस जुलूस में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग मिलकर शामिल हुए।कार्यक्रम में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, युवा अध्यक्ष कुश मिश्रा, अबूबकर, आमिर, रिज़वान, रियाज़, आदिल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अगस्त 2025 में यूपी सरकार को मिला 16,575.70 करोड़ रुपए का राजस्व, वित्त मंत्री ने दी जानकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अगस्त माह में प्रदेश सरकार की मुख्य कर और करेत्तर राजस्व वाली मदों में कुल 16,575 .70 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के अगस्त माह की 15,969 .65 करोड़ रुपए की प्राप्ति से 606 .05 करोड़ रुपए अधिक है।वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अगस्त माह तक मुख्य कर राजस्व में कुल 89,427 .87 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है, जो इस वर्ष के निर्धारित लक्ष्य का 74 .8 प्रतिशत है। कर राजस्व में जीएसटी मद के अंतर्गत अगस्त माह में 6,611 .59 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई, जबकि पिछले वर्ष अगस्त में यह 6,228 .82 करोड़ रुपए थी। वैट मद के अंतर्गत अगस्त माह में 2,659 .95 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई, जो गत वर्ष की तुलना में लगभग समान है। इस प्रकार राज्य कर के अंतर्गत अगस्त माह में कुल 9,271 .54 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की 8,888 .29 करोड़ रुपए से 383 .25 करोड़ रुपए अधिक है। आबकारी मद के अंतर्गत अगस्त माह में 3,754 .43 करोड़ रुपए, स्टाम्प तथा निबंधन मद में 2,538 .00 करोड़ रुपए और परिवहन मद में 786 .87 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई। करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू-तत्व तथा खनिकर्म से 224 .86 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई।वित्त मंत्री ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के अगस्त माह तक प्रमुख मदों में कुल राजस्व प्राप्ति का विवरण देते हुए बताया कि जीएसटी मद से 34,358 .64 करोड़ रुपए, वैट से 12,536 .21 करोड़ रुपए, आबकारी से 22,337 .62 करोड़ रुपए, स्टाम्प एवं निबंधन से 14,003 .63 करोड़ रुपए और परिवहन से 4,561 .58 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है।

लड़की ने युवक को जड़े थप्पड़, कार के अंदर पीटा, एमिटी यूनिवर्सिटी से जुड़ा है मामला, रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। एमिटी विश्वविद्यालय की पार्किंग में लॉ छात्र को सहपाठी छात्रा और युवक ने कार में बैठाकर थप्पड़ मारे। आहत छात्र से कॉलेज जाना बंद कर दिया है। छात्र के पिता की शिकायत पर चिनहट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। शेखर केसरवानी एमिटी विश्वविद्यालय में बीए एलएलबी का छात्र है। 11 जून को उसका घुटने के लिगामेंट का ऑपरेशन हुआ था। इससे दो माह तक वह विश्वविद्यालय नहीं जा सका। 8 अगस्त से जाना शुरू किया। 26 अगस्त को दोस्त के साथ विश्वविद्यालय गया था। दोस्त ने कार पार्किंग में खड़ी की। इसी बीच साथ में पढ़ाई करने वाली युवती और युवक आयुष यादव आ गए। दोनों ने शेखर को कार में ही कई थप्पड़ मारे। शेखर ने गाल पर हाथ रखा तो युवती ने हटवा दिया। इसके बाद आयुष ने भी कई तमाचे मारे और अभद्रता भी की गई। छात्र के पिता मुकेश केसरवानी ने बताया कि पिटाई से आहत बेटे ने कॉलेज जाना छोड़ दिया है। वह काफी डरा हुआ है। आरोप लगाया किया साजिश के तहत उसे पीटा गया।

फर्जी आईएएस अधिकारी के साथी कुमार गौरव पाण्डेय को गिरफ्तार कर दो मोबाइल बरामद किए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना वजीरगंज पुलिस ने शुक्रवार को फर्जी आईएएस अधिकारी के साथी और धोखाधड़ी में संलिप्त अभियुक्त कुमार गौरव पाण्डेय को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी करीब 31 वर्ष का है और मूल रूप से नेकपुर चौरासी, थाना फतेहगढ़, जनपद फरुखाबाद का निवासी है।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अनुसार, उच्चाधिकारीगणों द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना वजीरगंज राजेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रणविजय सिंह और हमराही कांस्टेबल रामनरेश की टीम ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। सूचना मिली थी कि फर्जी आईएएस अधिकारी का सहयोगी गौरव पाण्डेय ग्लोब पार्क के पास कैसरबाग बस अड्डे की ओर जा रहा है और यदि तुरंत कार्रवाई की जाए तो उसे पकड़ा जा सकता है।पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर निगरानी रखते हुए आरोपी का इंतजार किया। थोड़ी देर बाद आरोपी को स्वास्थ्य भवन चौराहे के पास आते हुए देखा गया, जिसे पुलिस ने दबिश देकर पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ के दौरान तलाशी ली गई तो उसके जीन्स की दायी जेब से एक वनप्लस मोबाइल और बायी जेब से एक सैमसंग मोबाइल बरामद हुए।गिरफ्तार आरोपी कुमार गौरव पाण्डेय के खिलाफ थाना वजीरगंज में धारा 204, 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 347(2), 341, 61(2) भादवि एवं 66डी आईटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को मौके पर हिरासत में लिया गया और उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से फर्जीवाड़ा और धोखाधड़ी की घटनाओं पर नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस लगातार ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, ताकि आम जनता सुरक्षित रह सके। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक रणविजय सिंह और कांस्टेबल रामनरेश की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सहारनपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख भागमल सिंह कांग्रेस में शामिल, सैकड़ों समर्थकों के साथ छोड़ी बसपा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी की समावेशी विचारधारा और शीर्ष नेतृत्व के संघर्ष से प्रेरित होकर सहारनपुर जनपद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख भागमल सिंह ने शनिवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षक दिवस के अवसर पर महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित कर हुई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में अजय राय ने भागमल सिंह और उनके साथ आए समर्थकों को तिरंगा पट्टिका पहनाकर और सदस्यता कार्ड देकर पार्टी में शामिल किया।इस अवसर पर ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, शिक्षक प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमित कुमार राय, विधि विभाग के कोऑर्डिनेटर आसिफ रिज़वी रिंकू, किसान कांग्रेस पूर्वी के चेयरमैन राम मोहन शुक्ला, जिला कांग्रेस कमेटी बदायूं के अध्यक्ष अजीत यादव सहित कई नेता मौजूद रहे।अजय राय ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से समाज का हर वर्ग पीड़ित है और जनता में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है, जिसकी लड़ाई राहुल गांधी सड़कों से लेकर सदन तक लड़ रहे हैं। उन्होंने सभी से कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया।सदस्यता ग्रहण के बाद भागमल सिंह ने कहा कि वे दलित समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं और आज का संकल्प संविधान की रक्षा और राहुल गांधी के संघर्ष को मजबूती देने का है।

शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण देश के समक्ष बड़ी चुनौती

शिक्षक समाज में उच्च आदर्श स्थापित करने वाला व्यक्तित्व होता है। किसी भी देश या समाज के निर्माण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है, कहा जाए तो शिक्षक समाज का आईना होता है। हिन्दू धर्म में शिक्षक के लिए कहा गया है कि आचार्य देवो भवः यानी कि शिक्षक या आचार्य ईश्वर के समान होता है। यह दर्जा एक शिक्षक को उसके द्वारा समाज में दिए गए योगदानों के बदले स्वरूप दिया जाता है। शिक्षक का दर्जा समाज में हमेशा से ही पूजनीय रहा है। कोई उसे गुरु कहता है, कोई शिक्षक कहता है, कोई आचार्य कहता है, तो कोई अध्यापक या टीचर कहता है ये सभी शब्द एक ऐसे व्यक्ति को चित्रित करते हैं, जो सभी को ज्ञान देता है, सिखाता है और जिसका योगदान किसी भी देश या राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करना है। सही मायने में कहा जाये तो एक शिक्षक ही अपने विद्यार्थी का जीवन गढता है। और शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। एक शिक्षक अपने जीवन के अन्त तक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता है और समाज को राह दिखाता रहता है, तभी शिक्षक को समाज में उच्च दर्जा दिया जाता है। माता-पिता बच्चे को जन्म देते हैं। उनका स्थान कोई नहीं ले सकता, उनका कर्ज हम किसी भी रूप में नहीं उतार सकते, लेकिन एक शिक्षक ही है जिसे हमारी भारतीय संस्कृति में माता-पिता के बराबर दर्जा दिया जाता है। क्योंकि शिक्षक ही हमें समाज में रहने योग्य बनाता है। इसलिये ही शिक्षक को समाज का शिल्पकार कहा जाता है। गुरु या शिक्षक का संबंध केवल विद्यार्थी को शिक्षा देने से ही नहीं होता बल्कि वह अपने विद्यार्थी को हर मोड़ पर उसको राह दिखाता है और उसका हाथ थामने के लिए हमेशा तैयार रहता है। विद्यार्थी के मन में उमडे हर सवाल का जवाब देता है और विद्यार्थी को सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदा प्रेरित करता है। एक शिक्षक या गुरु द्वारा अपने विद्यार्थी को स्कूल में जो सिखाया जाता हैं या जैसा वो सीखता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। इसलिए एक शिक्षक या गुरु ही अपने विद्यार्थी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। विश्व में केवल भारत ही ऐसा देश है यहाँ पर शिक्षक अपने शिक्षार्थी को ज्ञान देने के साथ-साथ गुणवत्ता युक्त शिक्षा भी देते हैं, जो कि एक विद्यार्थी में उच्च मूल्य स्थापित करने में बहुत उपयोगी है। जब अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति आता है तो वो भारत की गुणवत्ता युक्त शिक्षा की तारीफ करता है। किसी भी राष्ट्र का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास उस देश की शिक्षा पर निर्भर करता है। अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी है तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी नहीं होगी तो वहाँ की प्रतिभा दब कर रह जायेगी बेशक किसी भी राष्ट्र की शिक्षा नीति बेकार हो, लेकिन एक शिक्षक बेकार शिक्षा नीति को भी अच्छी शिक्षा नीति में तब्दील कर देता है। शिक्षा के अनेक आयाम हैं, जो किसी भी देश के विकास में शिक्षा के महत्व को अधोरेखांकित करते हैं। वास्तविक रूप में ज्ञान ही शिक्षा का आशय है, ज्ञान का आकांक्षी है- विद्यार्थी और इसे उपलब्ध कराता है शिक्षक। एक शिक्षक द्वारा दी गयी शिक्षा ही शिक्षार्थी के सर्वांगीण विकास का मूल आधार है। प्राचीन काल से आज पर्यन्त शिक्षा की प्रासंगिकता एवं महत्ता का मानव जीवन में विशेष महत्व है। शिक्षकों द्वारा प्रारंभ से ही पाठ्यक्रम के साथ ही साथ जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती है। शिक्षा हमें ज्ञान, विनम्रता, व्यवहार कुशलता और योग्यता प्रदान करती है। शिक्षक को ईश्वर तुल्य माना जाता है। आज भी बहुत से शिक्षक शिक्षकीय आदर्शों पर चलकर एक आदर्श मानव समाज की स्थापना में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ-साथ ऐसे भी शिक्षक हैं जो शिक्षक और शिक्षा के नाम को कलंकित कर रहे हैं, और ऐसे शिक्षकों ने शिक्षा को व्यवसाय बना दिया है, जिससे एक निर्धन शिक्षार्थी को शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है और धन के अभाव से अपनी पढाई छोडनी पडती है। आधुनिक युग में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक वह पथ प्रदर्शक होता है जो हमें किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि जीवन जीने की कला सिखाता है।

आज के समय में शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण हो गया है। शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण देश के समक्ष बड़ी चुनौती हैं। पुराने समय में भारत में शिक्षा कभी व्यवसाय या धंधा नहीं थी। इससे छात्रों को बडी कठिनाई का सामना करना पड रहा है। शिक्षक ही भारत देश को शिक्षा के व्यवसायीकरण और बाजारीकरण से स्वतंत्र कर सकते हैं। देश के शिक्षक ही पथ प्रदर्शक बनकर भारत में शिक्षा जगत को नई बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। गुरु एवं शिक्षक ही वो हैं जो एक शिक्षार्थी में उचित आदर्शों की स्थापना करते हैं और सही मार्ग दिखाते हैं। एक शिक्षार्थी को अपने शिक्षक या गुरु प्रति सदा आदर और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। किसी भी राष्ट्र का भविष्य निर्माता कहे जाने वाले शिक्षक का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ हमको सही आदर्श मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि प्रत्येक शिक्षार्थी के सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है।

अमेरिका में रह रहे भारतीय चुप क्यों हैं? क्या देशभक्ति सिर्फ नारों तक सीमित है?

नीरज कुमार दुबे

लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं— जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है।

अक्सर देखा जाता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे अवसरों पर अमेरिका में बसे भारतीय और भारतीय मूल के लोग बड़े जोश के साथ इंडिया डे परेड या अन्य सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन करते हैं। इसी तरह जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर जाते हैं, तो बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी उनके स्वागत में उमड़ पड़ते हैं और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठता है। यह दृश्य निश्चित ही भावनाओं को छूने वाला होता है और मातृभूमि के साथ जुड़ाव को दर्शाता है।

लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं— जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है। देखा जाये तो देशभक्ति केवल उत्सवों और नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिकी राजनीति, मीडिया और नीतिगत हलकों में प्रभावशाली है तो इस प्रभाव का इस्तेमाल भारत की छवि और हितों की रक्षा में क्यों नहीं किया जाता? जब भारत के खिलाफ नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं या अमेरिकी मीडिया में भारत-विरोधी नैरेटिव सामने आ रहे हैं, तब सामूहिक और मुखर आवाज़ का अभाव कहीं न कहीं "प्रवासी देशभक्ति" की सीमाओं को उजागर करता है।

संभव है कि यह चुप्पी "Dual Loyalty" यानी दोहरी निष्ठा के आरोपों से बचने की व्यावहारिक रणनीति हो। यह भी हो सकता है कि भारतीय-अमेरिकी अपने कॅरियर और सामाजिक सुरक्षा को दांव पर नहीं लगाना चाहते। लेकिन तब सवाल यह उठता है कि क्या देशभक्ति केवल सुरक्षित अवसरों तक ही सीमित रहेगी?

देखा जाये तो भारत आज वैश्विक मंच पर उभरती शक्ति है और उसे प्रवासी भारतीयों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन की ज़रूरत है। ऐसे में भारतीय-अमेरिकियों को यह तय करना होगा कि उनकी देशभक्ति केवल परेड और नारे तक सीमित है या फिर वे कठिन समय में भी भारत के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाएँगे।

लेकिन भावनाओं से परे इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। देखा जाये तो भारतीय-अमेरिकी बड़ी संख्या में अमेरिका की कॉर्पोरेट दुनिया, आईटी सेक्टर, मेडिकल प्रोफेशन और वित्तीय संस्थाओं में ऊंचे पदों पर हैं। लेकिन इन सबके बावजूद वे अमेरिकी राजनीतिक तंत्र में अभी भी अल्पसंख्यक माने जाते हैं। किसी भी राजनीतिक विवाद पर खुलकर बोलना उनके लिए कॅरियर और सामाजिक हैसियत पर असर डाल सकता है। खासकर, ट्रंप जैसे नेता जिनकी राजनीति आक्रामक और विभाजनकारी रही है, उनके खिलाफ बोलना भारतीय-अमेरिकियों को असुरक्षित कर सकता है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय को अमेरिका में अक्सर "Model Minority" कहा जाता है— यानि एक अनुशासित, मेहनती और कानून का पालन करने वाला समुदाय। इस छवि को बनाए रखना उनके लिए सामाजिक पूंजी का हिस्सा है। यदि वे अमेरिकी नीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाते हैं, तो यह छवि टूट सकती है और उन्हें "असहज अल्पसंख्यक" के रूप में देखा जा सकता है। अधिकांश भारतीय-अमेरिकी यह मानते हैं कि राजनीतिक बयानों और नीतिगत असहमति के बावजूद, अमेरिका में उनकी प्राथमिक पहचान एक पेशेवर और नागरिक की है। भारत के प्रति सहानुभूति तो है, लेकिन वे अपने कॅरियर और आर्थिक सुरक्षा को दांव पर लगाकर राजनीतिक बयानबाज़ी से बचते हैं। उनके लिए मौन ही सुरक्षित रास्ता है।

भारतीय-अमेरिकियों के लिए यह भी चुनौती है कि यदि वह भारत के समर्थन में खुलकर बोलें तो उन पर "दोहरी निष्ठा" (Dual Loyalty) का आरोप लग सकता है। अमेरिकी राजनीति में यह एक संवेदनशील मुद्दा है। जैसे-जैसे भारत की वैश्विक भूमिका बढ़ रही है, भारतीय-अमेरिकी खुद को एक "संतुलनकारी स्थिति" में रखना चाहते हैं— जहाँ न अमेरिका की मुख्यधारा उनसे असहज हो और न ही वे अपनी जन्मभूमि के प्रति उदासीन दिखाई दें।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय-अमेरिकियों की यह खामोशी "रणनीतिक मौन" है। वह सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया न देकर पर्दे के पीछे लॉबिंग और नेटवर्किंग के जरिए भारत के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। यह उनकी अमेरिकी राजनीति में परिपक्वता का भी संकेत है— जहाँ शोर-शराबे से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है प्रभावी लॉबिंग। हालांकि कई लोग इससे विपरीत मत भी रखते हैं। भारतीय वायुसेना के पूर्व अधिकारी संजीव कपूर ने अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि यह समुदाय "चुप" है और "मातृभूमि का साथ देने में नाकाम" रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय डायस्पोरा "जब सबसे ज़रूरी समय होता है तो चुप हो जाता है" और भारत की विकास गाथा को केवल "ड्राइंग रूम की चर्चा" तक सीमित कर देता है।

बहरहाल, भारतीय-अमेरिकियों की खामोशी को केवल डर या कायरता के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। यह कहीं न कहीं उनकी दोहरी ज़िम्मेदारी का परिणाम है— एक ओर अमेरिका में सुरक्षित और सम्मानित जीवन, दूसरी ओर भारत के साथ भावनात्मक जुड़ाव। वह जानते हैं कि राजनीति में बयानबाज़ी से ज्यादा असर संगठित लॉबिंग और चुपचाप किए गए प्रयासों का होता है। इसलिए यह खामोशी दरअसल रणनीतिक चुप्पी भी हो सकती है, जो समय आने पर भारत-अमेरिका संबंधों में पुल बनाने का काम करे।

अजब-गजब

क्या हमारी आंखों के अंदर उंगलियां हैं? 1000 गुना जूम वाला ये वीडियो उड़ा देगा होश

क्या आपने कभी सोचा है कि कैमरे में जूम करने पर हमारी आंख कैसी दिखती है? हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हुआ है, जिसका रिजल्ट देखकर इंटरनेट की पब्लिक भौचक्की रह गई है। इस वीडियो में दिखाया गया है कि जब किसी इंसान की आंख को 1000 गुना जूम किया जाता है, तो अंदर का दृश्य किसी और ही दुनिया जैसा दिखता है।

वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि जूम करने के बाद आंख के भीतर की संरचनाएं बिल्कुल इंसानी उंगलियों जैसी दिख रही हैं, जिन्हें देखकर हर कोई दंग रह गया है। इससे पता चलता है कि हमारा शरीर कितना जटिल और अद्भुत है।

इस दिलचस्प वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @technology नामक पेज ने शेयर किया है, जिसे अब तक 1 लाख 31 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। यूजर के अनुसार, एक ऑप्टोमेट्रिस्ट ने रूटीन एक्जामिनेशन के दौरान यह रिकॉर्ड किया था, जिसमें कॉर्निया का अद्भुत दृश्य कैद है।

इस पोस्ट पर नेटिजन्स हैरान होकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, ये तो हाथ और पैर की उंगलियों की तरह लग रहा है। दूसरे ने हैरान होकर पूछा, क्या मेरी आंखों में उंगलियां हैं? एक अन्य यूजर ने कहा, इसे देखकर मैं असहज तो हुआ, पर मंत्रमुग्ध भी हुआ।

दरअसल, जूम करने के बाद ये उंगलियों जैसी संरचनाएं कॉर्निया की कोशिकाएं और उसकी सूक्ष्म तंत्रिकाएं हैं, जो आंख को हेल्दी बनाए रखने में मदद करती हैं। यह वीडियो वाकई में काफी रोमांचक है, और हमें हमारे शरीर की जटिलता और खूबसूरती के बारे में भी बताता है।

ब्लॉग

नेताओं को सुधारने के लिए बन रहे हैं इंडोनेशिया जैसे हालात

योगेंद्र योगी

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है। इंडोनेशिया की संसद के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से 5 करोड़ रुपये (3,075 डॉलर) आवास भत्ता के तौर पर दिए जा रहे हैं। इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 28 करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले देश में पुलिस और संसद सदस्यों को व्यापक रूप से भ्रष्ट माना जाता है। नेताओं के रवैये को देखकर लगता है कि भारत में भी देर-सबेर ऐसे हालात बन रहे हैं। मंत्री, सांसद-विधायकों का सही मायने में देश के लोगों की हालत से ज्यादा सरोकार नहीं रह गया है। संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के लिए 120 घंटे तय थे किन्तु 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। हंगामें के कारण कार्रवाई ठप होने से जनता कई सौ करोड़ के धन का नुकसान हुआ। लगातार व्यवधानों के कारण केवल एक तिहाई समय तक ही सक्रिय रूप से चल पाया। इसमें बड़ा हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का रहा। अधिकांश समय हंगामे में बीता, जिससे विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। राज्य सभा में 285 सवाल पूछने के बावजूद केवल 14 सवालों का ही जवाब सत्र के दौरान दिया गया। लगातार 20 दिनों तक इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण केमुद्दे पर लोक सभा और राज्य सभा के अंदर और बाहर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। इसकी वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही काफी बाधित हुई। राज्य सभा के डिप्टी चेयरमैन हरवंश ने मॉनसून सत्र के आखिरी दिन अपने समापन भाषण में कहा कि कुल मिलाकर, सदन केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चल पाया। इस सत्र की उत्पादकता निराशाजनक रूप से सिर्फ 38.88 प्रतिशत रही, जो गंभीर आत्मचिंतन का विषय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुने हुए जनप्रतिनिधी देशहित के लिए कितने गंभीर हैं।

काम नहीं तो वेतन नहीं, संसद में इस मुद्दे पर कोई आवाज नहीं उठाता। किसी भी कारण से संसद का कामकाज हो या नहीं, इससे सांसदों को फर्क नहीं पड़ता। उन्हें पूरा वेतन-भत्ता मिलता है। काम नहीं करने के आधार पर इसमें कटौती की कोई चर्चा तक नहीं करता। दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल अकेले ऐसे सांसद रहे जिन्होंने यह मांग उठाई। उन्होंने कहा था कि अगर सदन नहीं चलता है, तो सांसदों को भत्ता भी नहीं मिलना चाहिए। उनका दावा था कि सांसदों को भत्ता तो मिलता है, लेकिन जनता के काम नहीं हो पाते। उन्होंने आरोप लगाया था कि सत्ता और विपक्ष दोनों की इगो के कारण सदन नहीं चलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्षी दल सरकार को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में कार्य नहीं होने पर सांसदों का वेतन और अन्य लाभ रोके जाने चाहिए। संसद की कार्रवाई ठप करने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों का ठीकरा फोड़ते हैं, लेकिन जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब मिल कर एक हो जाते हैं। इस पर कोई बहस तक नहीं होती। वेतन-भत्तों के एवज में सांसदों की उत्पादकता कितनी रही, इसका विश्लेषण तक नहीं किया जाता। देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब उस दौरान मॉनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चली। देश की संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ। इससे 124 करोड़.50 लाख रुपए जनता का धन बर्बाद हुआ। राज्यसभा में 73 घंटे ठप रही, इससे 80 करोड़. रुपए व्यर्थ गए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए। संसद में जहां घंटाभर बैठकर सांसद काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें ही 5-5 साल की जिम्मेदारी देकर जनता भेज देती है। संसद में बैठने वाले 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, जिन्हें अभी एक लाख 24 हजार रुपए हर महीने वेतन मिलता है। संसदीय क्षेत्र भत्ता 84 हजार रुपए होता है। दैनिक भत्ता सांसदों का 2500 रुपए है। वेतन भत्ता जोड़कर हर सांसद को हर महीने दो लाख 54 हजार रुपए जनता के पैसे से दिया जाता है। देशहित के नाम पर हंगामा कर संसद की कार्रवाई ठप करने में सांसद कोई मौका नहीं छोड़ते पर जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब एक हो जाते हैं। गत वर्ष संसद सदस्यों के वेतन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। नया वेतन 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी माना गया। इसके साथ ही सांसदों का मासिक वेतन कुछ भत्तों और सुविधाओं के अलावा 1.24 लाख रुपये हो गया है। सरकार का कहना था कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए सांसदों के वेतन में वृद्धि की गई। वहीं पूर्व सदस्यों के लिए पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन की घोषणा की गयी। इसमें कहा गया है कि दैनिक भत्ता 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है।

पूर्व सांसदों की पेंशन 25,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 31,000 रुपये प्रति माह कर दी गई। पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी गई। 1954 के सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत उन्हें यह सुविधा दी गई है। हर पांच साल में होता है रिव्यू 2018 के बाद से सांसदों के वेतन और भत्ते की हर पांच साल पर समीक्षा होती है। यह समीक्षा महंगाई दर पर आधारित होती है। 2018 में सांसदों के वेतन और भत्तों के लिए कानून में संशोधन किया गया था। सांसदों को विट्ठलभाई पटेल (वीपी) हाउस में हॉस्टल से लेकर मध्य दिल्ली में दो बेडरूम वाले फ्लैट और बंगले तक आवास मिलता है। उन्हें बिजली, पानी, टेलीफोन और इंटरनेट शुल्क के लिए भी राशि दी जाती है। संसद में निरंतर हंगामे के परिणामस्वरूप दोनों सदनों में लंबे समय तक स्थगन होता है जो अंततः सदन में सार्वजनिक नीति के निर्माण को प्रभावित करता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में से एक है, जहां नीति पर अपनी राय के साथ हर किसी की अपनी आवाज है, लेकिन ये लंबे समय तक व्यवधान संसद की क्षमता को कम कर रहा है। दिन के अंत में हमें क्या परिणाम मिलता है, और चर्चा से हमें कितना लाभ होता है? संसद अपने नियम और विनियम बनाती है, विधायी निकायों के प्रभावी कामकाज के लिए उन नियमों और विनियमों का पालन करना सदस्यों पर निर्भर है। ऐसा कब तक होगा? संसद को व्यक्तिगत स्तर और पार्टी स्तर दोनों पर आंतरिक जांच और संतुलन के साथ आना होगा। बार-बार व्यवधान डालने पर आनुपातिक दंड लगाया जा सकता है। एक संसद व्यवधान सूचकांक तैयार किया जा सकता है जिस पर व्यवधानों का स्वतः निलंबन लागू किया जा सकता है। साथ ही संसद के कार्य दिवसों में वृद्धि की जानी चाहिए। लगातार व्यवधान एक नया मानदंड बनता जा रहा है जो पार्टियों के बीच विश्वास की कमी को बढ़ाता है। यह प्रवृत्ति एक स्वस्थ लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली की निष्पक्षता में सेंध के लिए खराब है।

जौनपुर में मजदूर को मिला 4.42 करोड़ का जीएसटी नोटिस, एक महीने का टर्न ओवर था 24.55 करोड़

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मजदूरी करके घर की आजीविका चलाने वाले एक युवक के नाम से कागजों पर फर्म चलाई जा रही थी। इसके माध्यम से एक महीने में 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार का टर्न ओवर भी कर लिया गया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब मजदूर को 4 करोड़ 42 लाख 4 हजार 400 रु जीएसटी भुगतान करने का नोटिस मिला। नोटिस मिलते ही पीड़ित मजदूर के पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित ने अपने साथ हुई जालसाजी को लेकर पुलिस महानिरीक्षक समेत अन्य अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

मामला मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव का है। इसी गांव निवासी रोहित सरोज की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। रोहित और उनके बड़े भाई परिवार का भरण पोषण करने के लिए मजदूरी करते हैं। दोनों भाई महीने में दस से पंद्रह हजार कमा कर किसी तरह परिवार का भरण पोषण करते हैं। इस दौरान जालसाजों ने उनके साथ ऐसा किया कि उन्हें 4।42 करोड़ की नोटिस मिल गया।

मजदूरी करके परिवार चलाने वाले रोहित सरोज को 30 अगस्त को जौनपुर के उपयुक्त राज्यकर एवं सहायक आयुक्त जीएसटी की तरफ से एक नोटिस दी गई। आरोप है कि रोहित सरोज ने आर।के। ट्रेडर्स फर्म के जरिए एक महीने में 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का टर्न ओवर किया, लेकिन उसकी जीएसटी नहीं जमा की।

करोड़ों की नोटिस मिलते ही मजदूर परेशान

मजदूरी करके जीवन यापन करने के बदले करोड़ों की नोटिस मिलते रोहित और उनका परिवार हैरान है। नोटिस लेकर घर गए अधिकारियों को परिवार वालों ने खूब सफाई दी कि वे लोग गरीब हैं। मजदूरी करके पेट पालते हैं, उनका कोई व्यवसाय भी नहीं है। फिलहाल, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि आर।के ट्रेडर्स फर्म में आपके दस्तावेज लगे हैं। उसी से ये लेनदेन हुआ है। दस सितम्बर को पीड़ित मजदूर को अधिकारियों ने जौनपुर कार्यालय में बुलाया है।

इस पते है फर्म

जिस फर्म के द्वारा एक महीने में करोड़ों का लेनदेन किया गया है। वह जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के ही नीभापुर गांव के पते पर ही रजिस्टर्ड है। लेनदेन में अज्ञात व्यक्ति, जिसका मोबाइल नंबर 9117976438, बिलिंग नम्बर 00 दर्शाया गया है। UPGAU09NQCPS9300E1Z 1 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025- 26 के जून महीने में 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का टर्न हुआ है, जिसका जीएसटी 4 करोड़ 42 लाख 4 हजार 400 रुपये बकाया है।

ऐसे हुआ फ्राड

करोड़ों की नोटिस मिलने के बाद रोहित सरोज ने बताया कि उसके साथ धोखाधड़ी और जालसाजी की गई। रोहित ने बताया कि काफी दिनों पहले एक अज्ञात नंबर से एक बार उनके पास फोन काल आई थी। सामने वाले व्यक्ति ने उनका दूर का रिश्तेदार बताकर नौकरी दिलाने का लालच दिया था। उसने फोन पर ही आधार कार्ड, पेन कार्ड मंगा लिए थे। एक दिन फोन करके रोहित के मोबाइल पर आया ओटीपी भी अज्ञात व्यक्ति के मांग लिया था। रोहित ने बताया कि काफी दिन बीत गए उन्हें नौकरी तो नहीं मिली, लेकिन अब जीएसटी बकाया की करोड़ों की नोटिस उनके घर आ गई।

पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

नोटिस मिलने के बाद से उनके परिवार के लोग भी परेशान हो गए हैं। उनका कहना है कि हम मजदूरी करने वाले लोग करोड़ों रु कहां से जमा करेंगे। अपने साथ हुई जालसाजी के बारे में पीड़ित रोहित सरोज ने पुलिस महानिरीक्षक से लेकर अन्य अधिकारियों को प्रार्थनापत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। फिलहाल मुंगरा बादशाहपुर पुलिस जालसाजों का पता लगाने में जुट गई है।

3 सालों ने बांधे जीजा के हाथ-पैर, मुंह पर लपेटा कपड़ा, फिर कार की डिग्गी में डालकर किया किडनैप... पुलिस को बताई वजह

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा से चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां तीन सालों ने मिलकर अपने जीजा का फिल्मी स्टाइल में किडनैप कर लिया। जीजा के हाथ-पैर रस्सी से बांधे, मुंह में कपड़ा लपेटा फिर उसे कार की डिग्गी में डाल दिया। उसके बाध धे जीजा को कहीं ले जाने लगे। मगर पुलिस को इसकी सूचना मिल गई। फिर पुलिस ने कार रोक जीजा को डिग्गी से सुरक्षित बाहर निकाला।

सालों ने तब पुलिस से कहा- साहब से हमारी बहन से मारपीट करता था। हम इसे थाने ही ला रहे थे। फिलहाल इस मामले में दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। मामला खंदौली स्थित खेरिया गांव का है। यहां बहन से मारपीट के बाद उसके भाइयों ने गुस्से में आकर अपने जीजा को अगवा कर लिया। कुछ लोगों ने कार रोक

पुलिस को इस घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत घेराबंदी की और आगरा-हाथरस मार्ग पर पड़रांव गांव के पास कार को रोका। जब पुलिस ने कार की डिग्गी खोली, तो वहां मौजूद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का-मुक्की हुई। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और जीजा को सुरक्षित बाहर निकाला।

क्या है पूरा मामला ?

खेरिया गांव के रहने वाले हरदेव सिंह ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनकी शादी 25 साल पहले हाथरस की लक्ष्मी से हुई थी। हरदेव का आरोप है कि पत्नी के मायके वाले उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं, जिसके कारण घर में अक्सर झगड़े होते रहते हैं। हरदेव के अनुसार, बुधवार को पत्नी के साथ उनका विवाद हुआ था। गुरुवार सुबह जब वह पूजा कर रहे थे, तब उनके साले राजपाल, सत्यपाल और धर्मवीर सहित पांच लोग उनके घर आए। उन्होंने हरदेव को पकड़कर उनके हाथ-पैर बांध दिए और मुंह पर कपड़ा लगाकर उन्हें कार की डिग्गी में बंद कर दिया।

'पुलिस को सौंपना चाहते थे'

वहीं, हरदेव के साले राजपाल ने बताया कि उनके जीजा हरदेव आए दिन उनकी बहन के साथ मारपीट करते हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार को हरदेव ने उनकी बहन की बुरी तरह से पिटाई की थी, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि जब वो हरदेव को पुलिस के पास ले जा रहे थे, तब वे झगड़ने लगे।

इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें हरदेव कार की डिग्गी में बंद दिखे। पुलिस ने उन्हें डिग्गी से बाहर निकाला। डीसीपी पश्चिमी जोन अतुल शर्मा ने बताया कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। हरदेव की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है।

मधुरिमा तिवारी को राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार से किया गया सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली विज्ञान भवन में शिक्षिका श्रीमती मधुरिमा तिवारी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।उनके उत्कृष्ट कार्य दूरदर्शी सोच एवं बच्चों को संस्कार में पिरोकर उत्कृष्ट शिक्षण कार्य करते हुए बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति से जोड़कर उनको सजाने और संवारने का कार्य किया। आज विद्यालय जिले में ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक को बिखेर रहा है। बच्चों के भविष्य संवारने एवं उत्कृष्ट कार्य करने के लिए महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मधुरिमा तिवारी की उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की है।

ईद मिलादुन्नबी का त्योहार सकुशल सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। पैगम्बर हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लालाहो अलैह व सल्लम के यौमे पैदाइस बारह स्वीउल अव्वल के मौके पर मरकजी जश्न व जुलूस ईद मिलादुन्नबी कमेटी के जेरे इन्तजाम कुरआन खानी व दो बजे दिन इमामबाड़ा से एक शानदार जुलूस मुफ्तीये शहर के परचम कुशाई के बाद निकाला गया। इस जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन की चक-चौबंद व्यवस्था रही। जुलूस में विभिन्न मुहल्ले के तमाम अंजुमनों ने शिरकत किया। जुलूस अपने कदीम शाहराहों से बल्ली का अड्डा, नारघाट, टेढ़ी नीम, त्रिमुहानी, बसनही बाजार, घण्टाघर, पक्की सराय, पेहटी का चौराहा, तुलसी चौक, गुड़हट्टी, मुकेरी बाजार, लालडिग्गी, नवीन चित्र मन्दिर होता हुआ इमामबाड़ा पहुँचकर सलातो सलाम के बाद समाप्त हुआ। जुलूस में शिरकत करने वाले तमाम अंजुमनों को ईनाम से नवाजा गया, जुलूस जिन रास्तों से जा रहा था। उस मुहल्ले के अंजुमनों द्वारा रोशनी, शिरनी, शरबत, पानी वगैरह का काफी इन्तजाम किया गया था। जुलूस का परचम लेकर कमेटी के सेक्रेटरी सोनावर खाँ आगे- आगे चल रहे थे। जुलूस का कयादत व सदारत मौलाना नज्जम अली, मौलाना निशार अहमद कमेटी के सदर जनाब शुकुरूल्ला साहब कर रहे थे। जुलूस में कमेटी के हाजी महबूब आलम एडवोकेट, अब्दुल हमीद उर्फ भोला एवं नगर के गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। जुलूस बहुत ही शान्ति ढंग से सम्पन्न हुआ जिसमें पुलिस व प्रशासन के लोगों का सहयोग सराहनीय रहा। जुलूस में प्रमुख रूप से शिरकत करने वालो में कांग्रेस नेता छोटे खान सपा नेता सतीश मिश्रा, रोबी आजाद आलम, कांग्रेस के चुनमुन शुक्ला, मो० असफाक खां, नेमत खां गुड्डू, चाँद खा, रिजवान अहमद, शमीम भाई, मुस्ताक अहमद, फिरदौस अहमद, गगन मौर्या, सुधीर, जावेद, छोटे खाँ, मुशीर आलम, अलीयार अहमद, नन्हें, इलियास, भगवती चौधरी, देवी चौधरी, फिरोज खां, जाहीद अख्तर, कासिम एवोकेट, हैदर आली फतेह, मो० जाहीद अख्तर, राजन पाठक, कमलेश दुबे, मिन्टू सतीश मिश्रा जफर इकबाल, मौलाना नौसाद हाफिज उस्मान खाँ, सहनवाज खां, एडवोकेट, शाहनवाज अंसारी, मो० आरिफ, हाफिज, मुस्तकीम इरफान, इस्तियाक आदि रहे।

'पापा की कई गर्लफ्रेंड्स हैं...', गोरखपुर हत्याकांड में बेटी ने उगले कई राज, बताया पिता ने मां को क्यों मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से बुधवार को एक महिला की हत्या का वीडियो वायरल हुआ है। महिला की हत्या उस वक्त की गई जब वो फोटो खिंचवाकर दुकान से बाहर निकल रही थी। महिला के पति ने ही उसकी हत्या की। बाद में 13 साल की बेटी ने पिता के खिलाफ FIR दर्ज करवाई। पिता गिरफ्तार हुआ तो बेटी ने उसके और भी कई राज उगले। बताया कि क्यों उसके पापा से मां नाराज रहती थी। किस बात को लेकर दोनों में विवाद था।

मामला शाहपुर इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, जेल रोड निवासी विश्वकर्मा चौहान की शादी 15 साल पहले 35 वर्षीय ममता चौहान से हुई थी। परिजनों की मानें तो पहले तो सब कुछ ठीक था। दोनों की एक बेटी भी हुई। मगर समय के साथ-साथ दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। शादी के कुछ साल बाद से ही दोनों में लड़ाई-झगड़े शुरू हो गए। दोनों ही एक दूसरे पर अवैध संबंधों का इल्जाम लगाते थे। 14 महीने पहले ममता अपनी 13 साल की बेटी को लेकर शाहपुर के गीता वाटिका इलाके में जाकर किराए के घर में रहने लगी। वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी।

दोनों के तलाक का केस फैमिली कोर्ट में चल रहा था। बेटी ने बताया- पापा के कई लड़कियों से अवैध संबंध हैं। इसी बात का मां विरोध करती थी। पुलिस जांच में सामने आया कि विश्वकर्मा चौहान अपनी पत्नी ममता से इतना नाराज था कि उसने अपनी जमीन बेचकर पिस्टल खरीदी थी। विश्वकर्मा ने बताया- ममता मुझसे पैसों की डिमांड करती थी। 14 महीने पहले ही हमने तय किया था कि हम तलाक ले लेंगे। मगर वो कोर्ट में आती ही नहीं थी।

'कोर्ट में किसी से पिटवाया'

विश्वकर्मा बोला- छह महीने पहले जब मैं तारीख पर गया था तो वहां ममता ने किसी युवक से मुझे पिटवा दिया था। पुलिस ने बताया- तभी से पति ज्यादा खफा था। उसे पहले से शक था कि पत्नी का किसी से संबंध है जोकि पिटाई होने के बाद पुख्ता मान लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह तलाक चाहता था, लेकिन ममता द्वारा बेटी के भरण-पोषण को लेकर दबाव बनाए जाने से नाराज था।

'मम्मी को परेशान करते थे पापा'

मां की हत्या के बाद उसकी 13 साल की बेटी ने पिता के खिलाफ जो तहरीर पुलिस को दी है। बेटी के अनुसार उसके पिता की कई सारी गर्लफ्रेंड्स हैं। विरोध पर वह मम्मी को परेशान करते थे। फिलहाल आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है।

नकली एम्बेसडर हर्षवर्धन पर खुलासा, 16 देशों की टीमें बनाकर चला रहा था हॉर्स प्रीमियर लीग

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में फर्जी एंबेसी चलाने वाले हर्षवर्धन जैन की फाइनेंशियल ट्रेल में बड़ा खुलासा हुआ है। यूपी एसटीएफ की जांच में पता चला है कि हर्षवर्धन जैन ने आईपीएल की तर्ज पर हॉर्स प्रीमियर लीग (Horse Premiere League) शुरू किया था। इसमें 16 टीमों की शॉर्टलिस्टिंग की गई थी, जिनमें भारत, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इंडोनेशिया, इटली, जॉर्डन, ओमान, सऊदी अरब, साउथ अफ्रीका, स्वीडन, तुर्की, यूएई, यूके और अमेरिका की टीमें शामिल थीं।

आरोपी के कई शेल फर्म्स और विदेशों में बैंक अकाउंट हैं। कैमरून, मॉरिशस, यूएई और यूके में ट्रेल मिला है। हर्षवर्धन के अब तक 11 बैंक अकाउंट्स की जानकारी हुई है। 6 दुबई में, 3 मॉरिशस, 1 लंदन और 1 भारत में मिला।

टाइटल स्पॉन्सरशिप से हर्षवर्धन ने 10 करोड़, को-स्पॉन्सर से 8 करोड़ और एसोसिएट स्पॉन्सर से 7 करोड़ की रकम जुटाई थी। हर्षवर्धन जैन की एचपीएल इवेंट में पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ तस्वीर भी सामने आई। बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर, सैफ अली खान और करीना खान का नाम भी एचपीएल के पैट्रन्स की लिस्ट में शामिल था।

हर्षवर्धन जैन को 23 जुलाई को गैर-मौजूद "वेस्ट आर्कटिका", "सबोर्गा", "पोल्विया" और "लोडोनिया" का 'वाणिज्य दूत' बनकर प्रचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जुलाई महीवे में छापेमारी में बरामद किए गए कई फर्जी दस्तावेजों में इन माइक्रोनेशन्स के 12 जाली राजनयिक पासपोर्ट भी शामिल थे।

कोठी के बाहर लग्जरी कारें

गाजियाबाद के कविनगर में एक आलीशान कोठी में यह दूतावास बनाया गया था। यह दूतावास नकली था। हर्षवर्धन जैन इस दूतावास को किराए की कोठी में चला रहा था। उसका बस एक ही मकसद था कि बेरोजगार लोगों को विदेश भेजने के नाम पर उनसे लूट करना। लोगों को वो इस तरह गुमराह करता कि उस पर कोई शक भी नहीं करता। हर्षवर्धन की कोठी के बाहर लग्जरी कारें (मर्सिडीज) खड़ी रहती थीं। इनकी सभी में फर्जी डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट भी लगी थीं। उसके खिलाफ दो शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिनपर एक्शन लेते हुए उसे अरेस्ट किया गया था।

'चार फर्जी देशों का एम्बेसडर'

फर्जी ऑफिस के अंदर उसने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपनी मॉर्फ की गई तस्वीरों को लगा रखा था। ताकि लोगों को लगे कि वाकई वो कोई बड़ा अधिकारी है। हर्षवर्धन खुद को इन चार फर्जी देशों का कॉन्सुल/एम्बेसडर बताता था। वो इसके जरिए अवैध कारोबार भी करता था। हर्षवर्धन का मुख्य काम था- बेरोजगारों को विदेशों में काम दिलाने के नाम पर दलाली करना और शेल कंपनियों के जरिए हवाला रैकेट चलाना।

त्रिमोहानी में बिजली खंभे से गिरकर संविदा बिजली कर्मी की मौत

» परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। गांव-गरीब नेटवर्क ने नगर के त्रिमोहानी मुहल्ले में बिजली खंभे पर काम कर रहे बिजली कर्मी अरशद (40) के परिजनों को 25 लाख मुआवजा देने की मांग की है, साथ ही मृतक बिजलीकर्मी के परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी भी दिए जाने का अनुरोध किया है।

ज्ञातव्य है कि 4 सितंबर को दोपहर से ही लालडिग्गी सबस्टेशन के एक बड़े इलाके में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी। फील्ड में फाल्ट पता लगाने के क्रम में त्रिमोहानी मुहल्ले में खंभे पर चढ़े अरशद की ऊपर से गिरकर मृत्यु हो गई। अरशद कैसे गिरा, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लगेगा।अरशद की मृत्यु रात 8 बजे हुई थी। जिलाधिकारी श्री पवन कुमार गंगवार ने विद्युत अधिकारियों की मांग पर देर रात पोस्टमार्टम का आदेश दिया।

पोस्टमार्टम होने के बाद घण्टाघर स्टॉफ ने जनता की तकलीफ को देखते हुए उसी खंभे पर चढ़कर तुरत फाल्ट पता लगा लिया लिहाजा रात साढ़े 10 बजे बिजली आपूर्ति शुरू हो गई। वरना नागरिकों को यह लगने लगा था कि अब रात भर बिजली नहीं आएगी।

विद्युत आपूर्ति शुरू कराने में जिलाधिकारी श्री गंगवार, बिजली विभाग के अधिकारी एवं घण्टाघर सब स्टेशन के संविदाकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय दिया। अन्यथा जनता को सारी रात अंधेरे में रहना पड़ता।

नेटवर्क के संयोजक सलिल पाण्डेय ने कहा है कि मृतक बिजलीकर्मी के परिजनों को 25 लाख तथा नौकरी देकर संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए।

लंबे समय से मुंह में बना हुआ है छाला तो इसे गंभीरता से लें, हो सकते हैं कैंसर के लक्षण

मुंह में छाले होना एक आम समस्या है, लेकिन अगर ये समस्या लंबे समय तक बना रहे और ठीक न हो रहा हो, तो ये ओरल कैंसर का शुरुआती लक्षण हो सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अक्सर हम मुंह के अंदर होने वाले छोटे-मोटे छालों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। ये छाले आमतौर पर मसालेदार खाना खाने, पेट की गर्मी या विटामिन की कमी से होते हैं और कुछ ही दिनों में ठीक हो जाते हैं। लेकिन, अगर कोई छाला दो सप्ताह से ज्यादा समय तक बना रहे, ठीक न हो या उसका आकार बढ़ता जाए, तो यह एक गंभीर चेतावनी हो सकती है। यह मुंह के कैंसर का शुरुआती लक्षण हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, मुंह का कैंसर दुनिया में सबसे आम कैंसर में से एक है। इसकी सबसे बड़ी वजह तम्बाकू और शराब का सेवन है। अगर इसके लक्षणों को समय पर पहचान लिया जाए, तो इसका इलाज संभव है। इसलिए मुंह में होने वाले हर बदलाव को गंभीरता से लेना और समय पर डॉक्टर से सलाह लेना बहुत जरूरी है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं

ओरल कैंसर के लक्षण

मुंह के कैंसर के लक्षण सिर्फ छालों तक सीमित नहीं हैं। अगर आपके मुंह में कोई सफेद या लाल धब्बा दिखाई दे, जो आसानी से न जाए, तो यह चिंता का विषय है। इसके अलावा, मुंह में कोई गांठ या सूजन, खाना चबाने या निगलने में दर्द, या आवाज में बदलाव हो रहा है, तो ये भी इसके प्रमुख लक्षण हैं। ओरल कैंसर के लक्षणों में कई बार होंठ, मसूड़ों या जीभ पर भी छाले या घाव हो सकते हैं।

तम्बाकू और शराब

मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण तम्बाकू और शराब का अत्यधिक सेवन है। सिगरेट, बीड़ी, सिगार, गुटखा और पान मसाला जैसे तम्बाकू उत्पादों में हानिकारक रसायन होते हैं जो मुंह की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ज्यादा शराब पीने से भी कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इन दोनों का एक साथ सेवन करने से खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

क्या करें?

मुंह के कैंसर से बचने का सबसे अच्छा तरीका है तम्बाकू और शराब का सेवन बंद करें। अपनी डाइट में हरी सब्जियां और फल शामिल करें, और मुंह की साफ-सफाई का ध्यान रखें। अगर किसी को इनमें कोई भी लक्षण दो सप्ताह से ज्यादा समय तक बना रहे, तो बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करें।

समय पर इलाज का महत्व

मुंह के कैंसर का शुरुआती चरण में पता लगने पर इसका सफल इलाज संभव है। शुरुआती चरण में सर्जरी, रेडिएशन या कीमोथेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। लेकिन, अगर इसे नजरअंदाज किया जाए, तो यह शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है, जिससे इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए जागरूकता और समय पर जांच ही इस बीमारी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

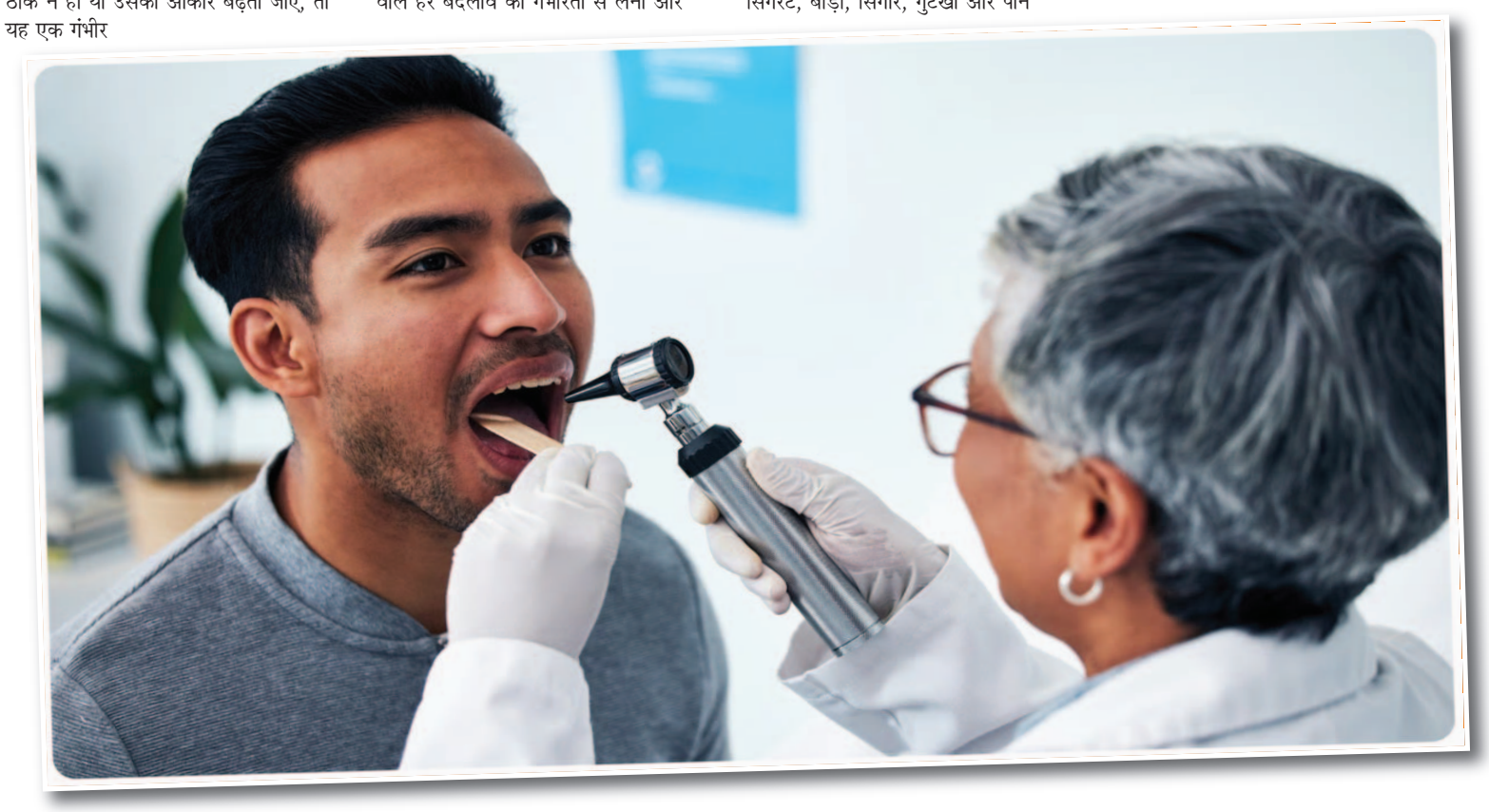

अपने बच्चे को परीक्षा के तनाव से निकालने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

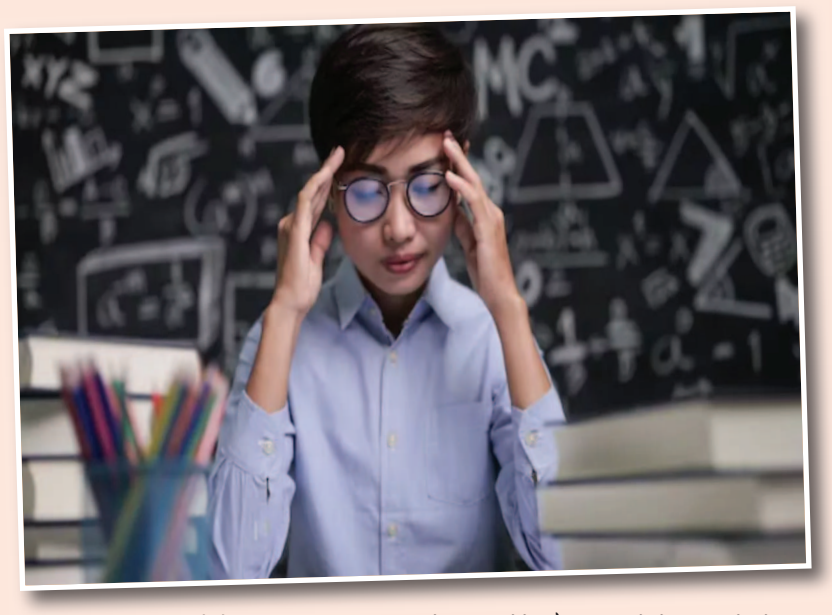

परीक्षा का समय बच्चों के लिए बहुत तनावपूर्ण होता है। इस दौरान माता-पिता का व्यवहार और समर्थन बहुत जरूरी होता है। बच्चों को परीक्षा के दौरान तनाव से निपटने के लिए सही मार्गदर्शन और सहारा देकर उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रख सकते हैं।

नियमित आराम दें

परीक्षा की तैयारी करते समय बच्चों को नियमित आराम देना बहुत जरूरी है। लगातार पढ़ाई करने से थकान और तनाव बढ़ता है इसलिए हर 1-2 घंटे बाद 10-15 मिनट का आराम जरूर दें। इस दौरान बच्चे थोड़ी देर टहल सकते हैं, संगीत सुन सकते हैं या अपनी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इससे उनका मन हल्का रहेगा और वे ताजगी महसूस करेंगे, जिससे उनकी पढ़ाई की क्षमता भी बढ़ेगी।

सकारात्मक सोच बढ़ावा दें

बच्चों को हमेशा सकारात्मक सोच रखने की सलाह दें। उन्हें बताएं कि हर मुश्किल परिस्थिति में कुछ अच्छा भी हो सकता है और असफलता का मतलब यह नहीं कि वे कभी सफल नहीं हो सकते। उन्हें प्रेरित करें कि वे अपनी गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। सकारात्मक सोच से बच्चे आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे और तनाव को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। यह उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा और उनके प्रदर्शन में सुधार लाएगा।

पर्याप्त नींद और पोषण दें

बच्चों को पर्याप्त नींद और पोषण देना बहुत जरूरी है। परीक्षा के दौरान नींद की कमी और खराब आहार से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। उन्हें अच्छी नींद लेने और पौष्टिक भोजन खाने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका दिमाग ताजा रहेगा और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे। इसके अलावा नियमित व्यायाम भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकता है। बच्चों को तनावमुक्त रखने के लिए ये कदम बेहद जरूरी हैं।

प्यार और समर्थन दें

अंत में सबसे जरूरी बात यह है कि अपने बच्चों को हमेशा प्यार और समर्थन दें। उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं चाहे परिणाम कुछ भी हो। उनके साथ बैठकर उनकी चिंताओं को सुनें और उन्हें समाधान सुझाएं। इससे वे आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और तनाव मुक्त रहेंगे। इन सरल तरीकों से आप अपने बच्चों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रख सकते हैं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

ध्यान या मेडिटेशन कराएं

ध्यान या मेडिटेशन बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह उनकी मानसिक शांति बढ़ाता है और तनाव को कम करता है। बच्चों को रोजाना कुछ मिनट ध्यान करने या मेडिटेशन करने के लिए प्रेरित करें। इससे उनकी ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ेगी और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे। ध्यान या मेडिटेशन से बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

शोध में खुलासा: पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में होती है एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्या, जानें कारण और समाधान

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बीते मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा सामना करना पड़ता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट ने एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का बोझ महिलाओं पर असमान रूप से ज्यादा है। जहां दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग इन समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रभावित कर रही हैं।

सदियों से महिलाओं को एक मजबूत स्तंभ के रूप में देखा गया है, जो घर और बाहर की जिम्मेदारियों को निभाती हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में उनके मानसिक स्वास्थ्य को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। तनाव, सामाजिक दबाव, हार्मोनल बदलाव और पारिवारिक जिम्मेदारियां जैसे कई कारण उन्हें मानसिक बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बनाते हैं। इस गंभीर स्थिति को समझना और इसके कारणों, लक्षणों और समाधानों पर ध्यान देना आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। इसलिए आइए इस लेख में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के कारणों, लक्षणों और समाधान के बारे में विस्तार से जानते हैं।

सामाजिक और शारीरिक संरचना एक कारण

महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की बढ़ती दर के पीछे कई कारण हैं। सामाजिक दबाव, भेदभाव और आर्थिक असमानता एक बड़ा कारण है। महिलाओं को अक्सर घर के अंदर और बाहर दोनों जगह की जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं, जिससे उन पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।

इसके अलावा, महिलाओं की शारीरिक संरचना भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जैसे कि हार्मोनल बदलाव। गर्भावस्था, प्रसव, मासिक धर्म और मेनोपॉज जैसे जीवन के अलग-अलग चरणों में होने वाले हार्मोनल परिवर्तन उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, जिससे अवसाद और एंग्जाइटी का खतरा बढ़ जाता है।

लक्षण और पहचान

मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण कई तरह के हो सकते हैं और इन्हें समझना बहुत जरूरी है। लगातार उदास रहना, रुचि खो देना, चिड़चिड़ापन, नींद में बदलाव (बहुत अधिक सोना या नींद न आना) और थकान महसूस होना कुछ आम लक्षण हैं। शारीरिक लक्षण जैसे सिरदर्द और पाचन संबंधी समस्याएं भी इसके संकेत हो सकती हैं।

कई बार महिलाएं इन लक्षणों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। समय पर इन संकेतों को पहचानना ही सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है।

क्या करें?

जब महिलाएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करती हैं, तो सबसे पहला और जरूरी कदम है इसके बारे में बात करें। समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जो गलत धारणाएं और शर्म हैं, उन्हें तोड़ना बेहद जरूरी है। अपने परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करें, क्योंकि उनका भावनात्मक सहारा बहुत मदद कर सकता है। अगर समस्या ज्यादा है, तो किसी प्रोफेशनल थेरेपिस्ट की मदद लें। थेरेपी एक सुरक्षित जगह है जहां आप बिना किसी डर के अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकती हैं।

इसके अलावा ऐसे सपोर्ट ग्रुप्स से जुड़ना भी बहुत फायदेमंद हो सकता है जहां आप उन लोगों से मिल सकती हैं जो आपकी जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। साथ ही अपनी खुद की देखभाल पर भी ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है। सुनिश्चित करें कि आप हर रात पर्याप्त नींद लें, क्योंकि नींद की कमी मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है। अपनी डाइट में संतुलित और पौष्टिक आहार शामिल करें, और नियमित रूप से व्यायाम करें। ये सभी आदतें न सिर्फ आपके शरीर को स्वस्थ रखती हैं, बल्कि आपके दिमाग को भी शांत और स्थिर बनाने में मदद करती हैं।

केंद्र ने अधिसूचित किए एकीकृत पेंशन योजना नियम, जल्दी रिटायरमेंट का विकल्प किया आसान

अब कर्मचारियों को 25 साल की जगह 20 साल की नियमित सेवा पूरी करने पर सेवानिवृत्ति का लाभ मिलेगा। इसे कर्मचारियों के हित में बड़ा और एतिहासिक कदम बताया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत लाभों से संबंधित नियम अधिसूचित कर दिए हैं। कार्मिक मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी। केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत यूपीएस का कार्यान्वयन) नियम, 2025 में इस पेंशन योजना के तहत नामांकन और सेवानिवृत्ति की तिथि से एक वर्ष पहले या वीआरएस से तीन महीने पहले यूपीएस से एनपीएस में स्विच करने की सुविधा सहित अन्य लाभों को शामिल किया गया है।

क्या है प्रावधान

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों के तहत-

कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस में स्विच करने की सुविधा दी जाएगी। यह विकल्प रिटायरमेंट से एक साल पहले या वीआरएस से तीन महीने पहले तक लिया जा सकेगा।

कर्मचारी और सरकार दोनों के योगदान, पंजीकरण में देरी होने पर मिलने वाले मुआवजे, और सेवा के दौरान मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में लाभ का प्रावधान किया गया है।

रिटायरमेंट के विभिन्न कारणों जैसे सुपरऐन्युएशन, समयपूर्व या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, असमर्थता, इस्तीफा या जबरन सेवानिवृत्ति में मिलने वाले लाभ भी स्पष्ट किए गए हैं।

20 साल सेवा पर रिटायरमेंट

सबसे अहम यह है कि अब कर्मचारियों को 25 साल की जगह 20 साल की नियमित सेवा पूरी करने पर सेवानिवृत्ति का लाभ मिलेगा। इसे कर्मचारियों के हित में बड़ा और एतिहासिक कदम बताया जा रहा है।

अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने अधिसूचना का स्वागत किया और कहा कि 25 वर्षों के स्थान पर 20 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने पर सेवानिवृत्ति का प्रावधान निस्संदेह कर्मचारी कल्याण में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा, नई योजना के लागू होने के बाद से यूपीएस में यह एक बहुत जरूरी संशोधन था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले साल 24 अगस्त को यूपीएस शुरू करने को मंजूरी दी थी। वित्तीय सेवा विभाग ने इस साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत एक विकल्प/योजना के रूप में यूपीएस को अधिसूचित किया था। यूपीएस के लागू होने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2025 है।

नई जीएसटी दरों के ऐलान से पहले भारतीय शेयर बाजार गुलजार, निवेशकों ने कमाए 3 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। बाजार में चौतरफा तेजी देखी गई। कारोबारी दिन के अंत में सेंसेक्स 409.83 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,567.71 और निफ्टी 135.45 अंक या 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,715.05 पर था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 368.10 अंक या 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,345.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.15 अंक या 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,748.45 पर था। सेक्टोरल आधार पर मेटल, पीएसयू बैंक, फार्मा, कमोडिटीज और ऑटो इंडेक्स हरे निशान में बंद हुआ। केवल आईटी और मीडिया इंडेक्स ही लाल निशान में बंद हुए। बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाले इंडिया विक्स में 4.12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी, जो दिखाता है बाजार स्थिर है। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, टाइटन, एमएंडएम, आईटीसी, इटरनल, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स थे। इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचयूएल, टीसीएस, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा टॉप लूजर्स थे। मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने कहा कि जीएसटी काउंसिल की हाई-प्रोफाइल मीटिंग आज से शुरू हो गई है। निवेशकों का मानना है कि इस बैठक में ही दरों को कम किया जाएगा। ऐसे में निवेशक काफी सतर्कता से इस बैठक के परिणामों का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अगर जीएसटी दरें बाजार के हिसाब से कम होती हैं तो बाजार पर इसका सकारात्मक असर होगा, क्योंकि इससे उपभोग बढ़ेगा और अंततः इसका असर अर्थव्यवस्था पर होगा और वृद्धि की रफ्तार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। शाह के मुताबिक, दरों को कम करने के साथ सरकार का फोकस जीएसटी में स्लैब को कम करने पर है। इससे व्यापार में आसानी को बढ़ावा मिलेगा। 4 सितंबर को जीएसटी परिषद की बैठक के फैसलों का ऐलान किया जाएगा, जिसमें दरों में कटौती की जा सकती है। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मिलीजुली हुई थी। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 60 अंक या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,221 पर और निफ्टी 29 अंक या 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,608 पर था।

निवेशकों ने 2.97 लाख करोड़ कमाए

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 3 सितंबर को बढ़कर 452.87 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 2 सितंबर को 449.90 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह क्वस्श्व में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.97 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

भारतीय मजदूर संघ और स्वदेशी जागरण मंच ने जीएसटी की दरों में हुए बदलाव को सराहा, कहा– लोगों पर बोझ घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से जीएसटी कानून के बुनियादी ढांचे में किए गए बदलावों को भारतीय मजदर संघ और स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों ने भी सराहा है। इन संगठनों ने कहा है कि सरकार के इस कदम से आम लोगों पर करों का बोझ कम होगा।

भारतीय मजदूर संघ ने अपने बयान में कहा, ₹वित्त मंत्रालय की ओर से किए गए जीएसटी सुधार कर संरचना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परंपरागत रूप से, अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था नागरिकों की दिन-प्रतिदिन की जरूरतों पर कर लगाने पर बहुत अधिक निर्भर थी। यह प्रवृत्ति अब अगले कानून के माध्यम से उलट गई है, जो मुख्य रूप से लोगों पर कर का बोझ बढ़ाता है, जबकि उच्च वर्ग द्वारा उपभोग की जाने वाली विलासिता की वस्तुओं पर उच्च कर लगाता है। बीएमएस श्रम आवश्यक दैनिक उपयोग उपभोक्ता वस्तुओं, बीमा पॉलिसियों सहित सीमेंट उत्पादों, शैक्षिक सामग्री, कृषि मशीनरी और अन्य इनपुट, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और मध्यम वर्ग और उससे नीचे के लोगों द्वारा आमतौर पर उपयोग की जाने वाली अन्य वस्तुओं पर करों में कमी का स्वागत करता है।'

दूसरी ओर, स्वदेशी जागरण मंच ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से घोषित साहसिक जीएसटी सुधारों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को लाल किले से स्वदेशी अपनाने और राष्ट्र को सशक्त बनाने के आह्वान को सरकार ने मूर्त रूप दे दिया है। मंच ने अपने बयान में कहा कि जीएसटी दरों में कमी और सरलीकरण केवल एक राजकोषीय कदम नहीं है, बल्कि एक स्वदेशी-उन्मुख सुधार है। यह घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करेगा, एमएसएमई को सशक्त बनाएगा, व्यापारियों और कारीगरों का समर्थन करेगा और मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत करेगा।

1991 से स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी अपनाने के लिए जनता में निरंतर जागरूकता पैदा कर रहा है और उसका दृढ़ विश्वास है कि भारत केवल स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के आधार पर ही समृद्ध हो सकता है। स्वदेशी जागरण मंच ने अपने बयान में कहा, ₹वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं में, जब आपूर्ति श्रृंखलाओं, भुगतान प्रणालियों और मुद्राओं को हथियार बनाया जा रहा है, जब अमेरिका और अन्य देश शुल्क दीवारें और गैर-टैरिफ अवरोध खड़े कर रहे हैं, और जब चीन जैसे देश हमारे विनिर्माण को खत्म करने के लिए डंपिंग कर रहे हैं, ये जीएसटी सुधार हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं। आवश्यक वस्तुओं पर कम जीएसटी और स्थानीय उत्पादों से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत होगी और साथ ही विकेंद्रीकृत विकास मॉडल के माध्यम से रोजगार, आजीविका और लोक कल्याण को बढ़ावा मिलेगा।'

अमेरिका में कितना निवेश कर रहे? डिनर पार्टी में ट्रंप का टेक दिग्गजों से सीधा सवाल, मिला ये जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आयोजित एक विशेष रात्रिभोज के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिग्गज टेक कंपनियों के प्रमुखों से सीधा सवाल किया कि आप अमेरिका में कितना निवेश कर रहे हैं? इस खास रात्रिभोज में एपल, गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मौजूद थे।

ट्रंप ने एपल के सीईओ टिम कुक से पूछा, 'टिम, एपल अमेरिका में कितना पैसा निवेश कर रहा है? मुझे पता है यह बहुत बड़ी रकम है। आप पहले कहीं और थे, अब आप वाकई अमेरिका लौट रहे हैं। कितना पैसा निवेश करेंगे? टिम कुक ने जवाब दिया, 600 अरब डॉलर। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी, '600 अरब डॉलर? इससे बहुत सारी नौकरियां होंगी। हमें इस पर गर्व है। यह शानदार है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इसके बाद ट्रंप के दाहिने ओर बैठे मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भी कहा, 600 अरब डॉलर। फिर गूगल की बारी आई। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा, हम पहले ही सौ अरब डॉलर से ऊपर निवेश कर चुके हैं और अगले दो वर्षों में अमेरिका में यह निवेश ढाई सौ अरब डॉलर हो जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने जवाब दिया, यह बहुत अच्छा है। हमें आप पर गर्व है। धन्यवाद। यह बहुत सारी नौकरियां लाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कंपनी के सीईओ सत्य नडेला ने कहा, इस साल अमेरिका में हम लगभग 75 से 80 अरब डॉलर निवेश करने वाले हैं। ट्रंप ने मुस्कराते हुए कहा, अच्छा है, बहुत अच्छा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह रात्रिभोज अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप की ओर से आयोजित एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर केंद्रित कार्यक्रम के बाद हुआ। यह रात्रिभोज ट्रंप और टेक कंपनियों के बीच आपसी संबंधों को और गहरा करने का प्रयास था। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह बैठक अमेरिका को एक नए स्तर पर ले जाएगी।

लंबी मेज पर अपने आसपास मौजूद लोगों को ट्रंप ने 'उच्च आईक्यू वाले लोग' कहकर संबोधित किया। टेक कंपनियों के सीईओ भी ट्रंप की तारीफ करने से पीछे नहीं हटे। हालांकि, इस डिनर में एक नाम जो नजर नहीं आया, वह था एलन मस्क। कभी ट्रंप के करीबी रहे मस्क इस साल की शुरुआत में उनके साथ हुए सार्वजनिक विवाद के बाद दूर हो गए हैं। उनकी जगह इस बार टेबल ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन मौजूद थे, जो एआई के क्षेत्र में मस्क के प्रतिद्वंद्वी माने जाते हैं।

सीएम स्टालिन ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया, बोले– उनके तर्कवाद से पूरी दुनिया चमकी

ऑक्सफोर्ड। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में समाज सुधारक ई.वी रामासामी पेरियार के चित्र का अनावरण किया। आत्म सम्मान आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीएम स्टालिन ने भी शिरकत की।

कार्यक्रम के दौरान स्टालिन ने कहा कि 'पेरियार के चित्र का ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, जो ज्ञान, मानवाधिकार और गरिमा का पर्याय है, अनावरण करना सबसे यादगार क्षण है और बड़े ही सम्मान की बात है। अब पेरियार का तर्कवाद तमिलनाडु के पार जाकर पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहा है।' स्टालिन ने बताया कि करीब 40 साल पहले भी डीएमके ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के जन्म शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया था। स्टालिन ने कहा कि पेरियार के दर्शन का मतलब आत्मसम्मान, तर्कवाद, सामाजिक न्याय, लिंग समानता, वैज्ञानिक सोच, महिलाओं का उत्थान और धर्मनिरपेक्ष राजानीति होता है।

कानून बनने से पहले विधवा विवाह जैसे सुधारों का दिया विचार

स्टालिन ने कहा कि पेरियार के सुधारवादी विचार अपने समय से पहले के थे। पेरियार ने अंतरजातीय विवाह, विधवा विवाह, दलितों की मंदिरों में एंट्री, शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण, महिलाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाने पर कानून बनने से बहुत पहले इनका समर्थन किया था। तमिलनाडु सीएम ने कहा कि तमिलनाडु में अकाल के चलते कोई मौत नहीं होती। राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग के साथ ही सामाजिक विकास में भी आगे है। यही पेरियार की असल जीत है। स्टालिन ने अपील की कि पेरियार की किताबों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित किया जाए, ताकि उनके तर्कवाद, समानता और सामाजिक न्याय के विचारों से दुनिया वाकिफ हो सके।

'भारत से संबंध पटरी पर लाने जरूरी, वरना तकनीकी बढ़त खो देगा अमेरिका', पूर्व अधिकारियों की ट्रंप को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और भारत के संबंधों में इन दिनों तनाव दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगने के बाद दोनों देशों के संबंधों में गतिरोध आ गया है। ऐसे में जो बाइडन सरकार में काम कर चुके अमेरिका के पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि दोनों देशों के संबंधों को फिर से पटरी पर लाना बेहद जरूरी है, ताकि अमेरिका नवाचार के मामले में चीन के मुकाबले अपनी बढ़त न खो सके।

'ट्रंप का व्यवहार अक्सर किसी समझौते की शुरुआत का संकेत'

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन और पूर्व उप विदेश मंत्री कर्ट एम. कैंपबेल ने एक लेख में लिखा कि अमेरिका और भारत के संबंध को दोनों ही दलों (डेमोक्रेट और रिपब्लिकन) का समर्थन मिला है। इन संबंधों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की मनमानी को भी रोका है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साझेदारों को भारत को यह समझाने की कोशिश करनी चाहिए कि ट्रंप का व्यवहार अक्सर किसी समझौते की शुरुआत का संकेत होता है।

'टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में तेज गिरावट'

यह लेख ऐसे समय में आया है जब भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता रुकी हुई है। ट्रंप प्रशासन ने भारत से आने वाले सामानों पर 50 फीसदी तक का टैरिफ लगा दिया है। सुलिवन और कैंपबेल ने लिखा है कि रूस से तेल खरीदने को लेकर टैरिफ और पाकिस्तान को लेकर उभरे तनाव में भारत-अमेरिका संबंधों में तेज गिरावट ला दी है। उन्होंने कहा कि यह याद करना जरूरी है कि भारत कैसे पिछले कुछ दशकों में अमेरिका का एक अहम साझेदार बना है। अगर मौजूदा स्थिति बनी रही तो अमेरिका अपने एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार खो सकता है।

'...वरना विरोधियों के साथ खड़ा हो सकता है भारत'

उन्होंने यह भी लिखा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ जो गर्मजोशी दिखाई, वह इस ओर इशारा करता है कि अगर अमेरिका ने संभलकर कदम नहीं उठाए, तो भारत उसके विरोधियों के साथ खड़ा हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत खुद को एक ऐसे हालात में पा सकता है, जहां एक तरफ सीमा पर चीन जैसा देश होगा और दूसरी तरफ अमेरिका के साथ तकनीक, शिक्षा और रक्षा से जुड़े संबंध कमजोर हो जाएंगे।

'भारत से संबंध को लेकर पूर्व राष्ट्रपतियों ने उठाए थे अहम कदम'

पूर्व अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ऐसे समय में वॉशिंगटन और नई दिल्ली को केवल पुरानी स्थिति को बहाल करने से आगे बढ़कर कुछ ठोस और बेहतर करना होगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि ट्रंप से पहले अमेरिका के कई राष्ट्रपतियों ने भारत के साथ संबंध मजबूत करने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। इसमें जॉर्ज डब्ल्यू. बुश और मनमोहन सिंह के समय हुआ ऐतिहासिक परमाणु समझौता और जो बाइडन व नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी और एयरोस्पेस में हुआ सहयोग शामिल है।

'अमेरिका को नहीं रखनी चाहिए भारत-पाकिस्तान नीति'

भारत और पाकिस्तान की नीति को लेकर भी सुलिवन और कैंपबेल ने राय दी कि अमेरिका को अब भारत-पाकिस्तान नीति नहीं रखनी चाहिए। यानी दोनों देशों को एक साथ जोड़कर देखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ आतंकवाद और परमाणु हथियारों को लेकर कुछ जरूरी हित हो सकते हैं, लेकिन भारत के साथ अमेरिका के संबंध इससे कहीं ज्यादा गहरे, व्यापक और महत्वपूर्ण हैं।

ट्रंप ने खुद को दिया था संघर्षविराम का श्रेय

उनका यह बयान तब आया है, जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के बाद हुए संघर्षविराम का श्रेय खुद को दिया, जबकि भारत इस बात से इनकार करता रहा। हाल के दिनों में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार और तेल को लेकर नए समझौते किए हैं और पाकिस्तानी सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में बुलाकर बातचीत भी की थी। इसी दौरान अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 25 फीसदी का शुल्क भी लगा दिया था।

'औपचारिक संधि के तहत नई रणनीतिक साझेदारी की जरूरत'

सुलिवन और कैंपबेल ने यह भी राय रखी कि भारत और अमेरिका के बीच एक नई रणनीतिक साझेदारी एक औपचारिक संधि के तहत बनाई जा सकती है, जिसे अमेरिकी सीनेट की मंजूरी मिले। इस समझौते की बुनियाद पांच मुख्य स्तंभों पर रखी जाएगी, जिनका मकसद दोनों देशों की सुरक्षा, समृद्धि और साझा मूल्यों को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अगले दस वर्षों के लिए एक साझा योजना बनानी होगी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, बायोटेक, क्वांटम, क्लीन एनर्जी, टेलीकम्युनिकेशन और एयरोस्पेस जैसी तकनीकों को साझा करने की रणनीति शामिल हो। यह भविष्य की दिशा तय करेगी।

उनका मानना है कि अमेरिका और भारत को साथ मिलकर एक साझा तकनीकी प्रणाली बनानी चाहिए, जो अन्य लोकतांत्रिक सहयोगियों से जुड़ी हो। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश चीन जैसे प्रतिस्पर्धियों के सामने तकनीकी बढ़त न खो दें। इसके लिए उन्हें एक साथ निवेश, अनुसंधान, और प्रतिभाओं को साझा करना होगा, साथ ही साथ साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी मिलकर काम करना होगा।

अधिकारियों के घर का काम कर रहे जवान... सीएपीएफ के दुरुपयोग पर हाईकोर्ट ने मांगा गृह मंत्रालय से जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ((सीएपीएफ)) के जवानों के घरेलू कामों में कथित दुरुपयोग के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय और सीमा सुरक्षा बल (BSF) से जवाब मांगा है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि सीनियर अधिकारियों के निजी कामों, जैसे कुत्ते की देखभाल, के लिए जवानों का उपयोग किया जा रहा है, जबकि 83,000 से अधिक पद खाली पड़े हैं। याचिका में इस काम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया है और जांच की मांग की गई है।

जनहित याचिका में कहा गया है कि जवानों के घोर दुरुपयोग का किया जा रहा है। वह भी ऐसे वक्त में जब सीएपीएफ में 83,000 से ज्यादा पद अब भी खाली पड़े हैं। यह याचिका बीएसएफ के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) संजय यादव ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि देश के सैनिकों को यहां तक कि आला अधिकारियों के कुत्ते की देखभाल तक में तैनात किया जाता है।

कोर्ट ने गृह मंत्रालय से मांगा जवाब

जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने बीएसएफ और गृह मंत्रालय को नोटिस जारी कर याचिका में लगाए गए आरोपों पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में कहा गया है कि यह प्रथा आम हो चुकी है कि विभिन्न फोर्स के कई जवानों को सीमा पर या कानून-व्यवस्था ड्यूटी पर लगाने के बजाय वरिष्ठ अधिकारियों के निजी घरों में घरेलू कामों के लिए तैनात कर दिया जाता है।

जवानों का ऐसा उपयोग कानून-व्यवस्था के लिए खतरा

याचिकाकर्ता ने कहा कि इस तरह जवानों का दुरुपयोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा है बल्कि सार्वजनिक खजाने पर भी अनुचित बोझ डालता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सीएपीएफ और असम राइफल्स में 83,000 से अधिक रिक्तियां हैं, ऐसे में उपलब्ध बल का निजी उपयोग बेहद गंभीर मामला है। यादव ने अपनी याचिका में 21 सितंबर 2016 के एक कार्यालय ज्ञापन का भी जिक्र किया है, जिसमें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि सेवानिवृत्ति के एक महीने के भीतर अधिकारियों को मिले सभी विशेषाधिकार- जैसे घर पर जवानों की तैनाती, वाहन, निजी सुरक्षा आदि वापस ले लिए जाएं।

याचिकाकर्ता ने इसके बाद बीएसएफ ने 131 जवानों की सूची भी तैयार की थी, जो विभिन्न सेवानिवृत्त पुलिस और सीएपीएफ अधिकारियों के यहां अनाधिकृत रूप से काम कर रहे थे। यादव का कहना है कि बीएसएफ प्राधिकरण ने ना तो इन जवानों को वापस बुलाने की कार्रवाई की और न ही सेवानिवृत्त अधिकारियों से अनधिकृत उपयोग का खर्च वसूला, जो पूरी तरह से गलत है।

याचिका में की गई कार्रवाई की मांग

याचिका में अदालत से अपील की गई है कि तथ्यों की विस्तृत जांच कराई जाए और बीएसएफ और सीएपीएफ के जवानों के दुरुपयोग पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब इस मामले पर गृह मंत्रालय और बीएसएफ को हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखना होगा।

देश में पहली टेस्ला कार की हुई डिलीवरी, महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक को मिली

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के 'टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर' से पहली टेस्ला कार की डिलीवरी शुक्रवार 5 सितंबर को हुई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित शोरूम से मॉडल Y की पहली डिलीवरी ली। मुंबई में भारत के पहले 'टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर' का उद्घाटन इसी साल 15 जुलाई को हुआ था। कार की डिलीवरी मिलने पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने खुद को भाग्यशाली बताया। उनका कहना है कि उन्होंने ये कार अपने पोते के लिए खरीदी है।

उन्होंने कहा, 'मैं आज भारत में पहली टेस्ला कार खरीदकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं। इसके जरिए से मैं जागरूकता फैलाना चाहता हूं और लोगों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूं। अगले 10 सालों में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन सड़कों पर आने चाहिए। मैंने यह पहली कार अपने पोते के लिए खरीदी है और मैं चाहता हूं कि जो माता-पिता ऐसी कारें खरीद सकते हैं, वे अपने बच्चों को छोड़ने के लिए इनका उपयोग करें, ताकि युवा पीढ़ी में भी जागरूकता फैल सके।'

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी ने 11 अगस्त को दिल्ली में अपना दूसरा एक्सपीरियंस सेंटर शुरू करके भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया। राष्ट्रीय राजधानी में यह एक्सपीरियंस सेंटर एयरोसिटी इलाके में वर्ल्डमार्क 3 में है। यह विजिटर्स को भारत में पेश किए गए टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहनों को देखने का अवसर प्रदान करेगा। बीते दिन एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में टेस्ला इंडिया ने घोषणा की कि मॉडल Y की डिलीवरी जल्द ही दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई और पुणे में शुरू होगी। पोस्ट में लिखा है, 'मॉडल Y की डिलीवरी जल्द शुरू होगी।'

कितनी है टेस्ला के Y मॉडल की कीमत?

कंपनी ने 15 जुलाई को अपनी इलेक्ट्रिक मिडसाइज एसयूवी टेस्ला मॉडल Y के लॉन्च के साथ भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में कदम रखा। इसकी कीमत लगभग 60 लाख रुपए है। टेस्ला का मॉडल Y भारतीय बाजार में उपलब्ध एकमात्र मॉडल है। इसके दो वेरिएंट हैं, रियर-व्हील ड्राइव और लॉन्ग रेंज रियर-व्हील ड्राइव। पहले वेरिएंट की कीमत 60 लाख रुपए और दूसरे वेरिएंट की कीमत 68 लाख रुपए है। इन दोनों वेरिएंट में से, लॉन्ग रेंज रियर व्हील ड्राइव की रेंज 622 किलोमीटर है और यह 5.6 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा का ट्रेडिशनल लुक, पीले रंग की साड़ी में लगीं बेहद खास

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा प्रशंसकों को कभी भी अपने ग्लैमर लुक से निराश नहीं होने देती हैं। बुधवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उनका पारंपरिक अवतार देखने को मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में अभिनेत्री ने पीले रंग की सुंदर सी साड़ी पहनी है, जिसका बार्डर चौड़ा है। अपने ट्रेडिशनल लुक को और भी खास बनाने के लिए उन्होंने गले में एक खूबसूरत हार के साथ मंगलसूत्र पहन रखा है और कानों में झुमके पहने हैं, जो उनके चेहरे की मुस्कान के साथ और भी निखर रहे हैं। हाथों में उन्होंने गोल्डन कलर की चूड़ियों का सेट पहना है, जो उनके पहनावे को एकदम पूरा बना रहा है। माथे पर छोटी सी बिंदी और मांग में सिंदूर उनके पूरे लुक को दुल्हन जैसी छवि दे रहा है। उन्होंने बालों को खुला छोड़ रखा है।

इन तस्वीरों को साझा करते हुए मोनालिसा ने लिखा, पीले कपड़ों में एक साथ... सबसे अच्छा समय बिताया।

तस्वीरों की बात करें तो वह पहली तस्वीर में अपनी दो दोस्त के साथ दिख रही हैं, उन्होंने भी पीले रंग के आउटफिट पहने हुए हैं। उनकी हर तस्वीर में चेहरे की रौनक और भाव साफ झलक रहा है।

मोनालिसा की इन तस्वीरों पर हजारों की संख्या में लाइक्स और कमेंट्स आने लगे हैं। एक यूजर ने लिखा, स्वीट, तो दूसरे फैन ने लिखा, प्योर इंडियन ब्यूटी।

बता दें, मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में रणभूमि, हम हैं खलनायक, जाड़े में बलमा प्यारा लगे, नथुनिया पे गोली मारे, देवरा बड़ा सतावेला, पाकेट गैंगस्टर्स, और पवन राजा जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

फिल्मों के अलावा, वह लाल बनारसी, बेकाबू, नमक इश्क का, और माता की महिमा समेत कई टीवी शो में भी दिखाई दीं। उन्होंने डांस रियलिटी शो नच बलिए 8 में भी हिस्सा लिया था।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का पहला गाना बिजुरिया रिलीज, वरुण-जान्हवी ने दिखाए मूव्स

वरुण धवन और जान्हवी कपूरी की आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का पहला गाना आज रिलीज हो गया है। ये सोनू निगम के साल 1999 में आए 'बिजुरिया' गाने का रीक्रिएशन है। जिसे तेज तर्रार संगीत के साथ फिल्म में पेश किया गया है। यह एक डांस सॉन्ग है।

गाने की शुरुआत में मनीष पॉल पगड़ी लगाए नजर आते हैं। गाने की जो शुरुआती लाइन्स हैं वो कहीं न कहीं आपको 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' के टाइटल ट्रैक की याद दिलाती हैं। इसके बाद गाने में वरुण धवन की एंट्री होती है और वो अपने डांस मूव्स दिखाते हैं। गाने में फिर जान्हवी भी साड़ी में अपनी हॉटनेस का जलवा बिखेरती दिखती हैं। इस गाने में फिल्म की पूरी लीड कास्ट नजर आती है, जिसमें वरुण और जान्हवी के अलावा रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल भी दिखाई देते हैं।

ये गाना सोनू निगम की साल 1999 में आई म्यूजिक अल्बम 'मौसम' के गीत बिजुरिया का रीएक्रिएशन है। जब ये गाना रिलीज हुआ था तो काफी हिट रहा था। गाने में सोनू निगम की आवाज और उनका डांस काफी पसंद किया गया था। अब फिल्म में भी सोनू निगम के हुक स्टेप को ही कॉपी किया गया है। बस गाने में कुछ एक नई लाइन्स जोड़कर इसे रीमिक्स कर दिया गया है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में वरुण-जान्हवी के अलावा रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 2' से होगी।

मन्नू क्या करेगा? का ट्रेलर रिलीज, रोम-कॉम म्यूजिकल फिल्म में दिखेगी व्योम और साची की चमक

अब टूटे दिलों के गीतों को भूल जाइए क्योंकि बॉलीवुड का रोमांस अब एक नए अपग्रेड के साथ आया है! मन्नू क्या करेगा? का ट्रेलर आखिरकार आ चुका है, और इसमें वो सब कुछ है, जो हम एक क्लासिक बॉलीवुड रोमांस में ढूंढते हैं। खासकर झिलमिलाती केमिस्ट्री, सच्ची भावनाएं और ऐसा संगीत जो ट्रेलर खत्म होने के बाद भी दिल में गूंजता रहता है।

क्यूरियस आईज सिनेमा के बैनर तले शरद मेहरा द्वारा प्रोड्यूस और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नए चेहरे व्योम और साची बिंद्रा नज़र आएंगे, जिनकी शानदार केमिस्ट्री पहले ही दर्शकों का दिल जीत रही है। इनके साथ मजबूत सहायक कलाकारों में विनय पाठक, कुमार मिश्रा और चारू शंकर जैसे नाम भी शामिल हैं, जो फिल्म को और भी दमदार बनाते हैं।

पहले ही फ्रेम से फिल्म की वाइब बेहद ताजगी भरी और रंगीन नजर आती है। व्योम और साची की प्यारी सी केमिस्ट्री दर्शकों को तुरंत उनका दीवाना बना देती है ये दोनों सहज, मनमोहक और पुराने जमाने की रोमांटिक जादू को नए ट्विस्ट के साथ लेकर आते हैं, लेकिन सिर्फ़ हंसी-ठिठोली तक ही बात नहीं रुकती, ट्रेलर रोमांस की दुनिया में परिवार के ड्रामे, भावनात्मक उतार-चढ़ाव और पहली मोहब्बत की मीठी-सी कसक को भी बखूबी दिखाता है।

और फिर आती है इस फिल्म की जान, जो है इसका संगीत। ट्रेलर में छाए दिल को छू लेने वाला ट्रैक हमनवा, इस बात का इशारा करता है कि फिल्म का साउंडट्रैक 2025 के रोमांटिक म्यूज़कि सीन को हिलाकर रख देगा। अगर टीज़र ने एक झलक दिखाई थी, तो ट्रेलर ने पक्का कर दिया है कि ये फिल्म हर किसी की लव प्लेलिस्ट में शामिल होने वाली है।

ट्रेलर रोमांस के हर रंग की झलक दिखाता है, फिर वो चाहे मस्ती हो, ड्रामा हो, दिल टूटने की कसक हो या खुद को खोजने की खुशी हो। फिलहाल नए चेहरों के साथ, गहरी भावनाओं और संगीत से सजी ये फिल्म 2025 की सबसे बड़ी मस्ट-वॉच फिल्मों में से एक बनने जा रही है। मन्नू क्या करेगा? सिनेमाघरों में 12 सितम्बर 2025 को रिलीज हो रही है ।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com